

: ब्रीफ बॉक्स :

इटली- नाबालिग ने तोड़फोड़ की तो माता-पिता भरपाई करेंगे



रोम,एजेंसी। इटली में हिंसक प्रदर्शन करने वालों को अब 5 साल तक जेल और करीब 21 लाख रुपए तक जुर्माना देना पड़ सकता है। प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी की सरकार ने मंगलवार को मिलान में दुकानों में लूटपाट और आगजनी के बाद सुरक्षा के नए नियमों को मंजूरी दी है।नए नियमों के तहत नाबालिगों के किए नुकसान की भरपाई उनके माता-पिता को करनी होगी। साथ ही, 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों पर केस चलाया जा सकेगा।

मिलान में 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात होंगे

सरकार ने मिलान में सुरक्षा बढ़ाने के लिए साल के आखिर तक 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि हिंसा में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का शामिल होना दुःख और डराने वाला है।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन करते समय पलटी नाव, चार बच्चे डूबे

नाविक समेत तीन को बचाया, लापता बच्चों की तलाश जारी

कोटा,एजेंसी। राजस्थान के कोटा जिले में मंगलवार शाम को चंबल नदी की दाहिनी मुख्य नहर में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक नाव पलट गई, जिसमें चार बच्चों के डूबने की खबर आई। नाविक समेत तीन लोगों को बचा लिया गया है, जबकि लापता बच्चों की तलाश के लिए व्यापक तलाशी अभियान जारी है। यह घटना बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में हुई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, नगर निगम और स्थानीय गोताखोरों की टीमें नहर में तलाशी के लिए तैनात की गई हैं।अधिकारियों के मुताबिक यह समूह दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए आया था।

सौरव दास-आशुतोष रांका ने हाईकोर्ट से याचिका वापस ली

हिरासत बढ़ाने के खिलाफ लगाई थी; कोर्ट बोला- दोनों ने बॉन्ड की शर्तें तोड़ीं

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉंग्रेस जनता पार्टी के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका ने हाईकोर्ट से न्यायिक हिरासत बढ़ाने के खिलाफ दायर याचिका वापस ले ली है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने बॉन्ड की शर्तों का उल्लंघन किया और बैरिस्टेड तोड़ारअसल, 10 अक्टूबर को प्रदर्शन के पहले दोनों नेताओं को हिरासत में ले लिया था। दोनों को शांति भंग नहीं करने की शर्त के साथ जमानत मिली थी। 12 अक्टूबर को सरकार ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया। इसके बावजूद 13 अक्टूबर सौरव-आशुतोष को तिरंगा लेकर जंतर-मंतर पहुंचे थे। उन्हें गिरफ्तार



कर लिया गया।

14 अक्टूबर को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उन्हें 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा। 19 अक्टूबर को उनकी हिरासत खत्म हुई थी, जिसके बाद उनकी कस्टडी 2 दिन के लिए बढ़ा दी गई। दोनों ने इसी के खिलाफ याचिका लगाई थी।

कोर्ट ने रिवीजन पिटीशन लगाने के लिए क्यों कहा?

कोर्ट ने कहा कि जब मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देने के लिए रिवीजन पिटीशन का विकल्प है, तो सीधे अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट आने की जरूरत क्यों पड़ी? जब किसी आदेश को चुनौती देने के लिए कानून में अलग रास्ता है तो पहले उस रास्ते का इस्तेमाल करना चाहिए।

दुनिया में पहली बार ड्रोन से घायल सैनिक का रेस्क्यू

यूक्रेनी सैनिक डेढ़ साल से बॉर्डर पर फंसा था, चारों तरफ बारूदी सुरंगें बिछी थीं

दुनिया में पहली बार एक घायल सैनिक का ड्रोन से रेस्क्यू किया गया। कोस्ट्यातिन व्लासेंको नाम का यूक्रेनी सैनिक 491 दिनों से सीमा पर फंसा हुआ था। चारों तरफ रूसी सैनिकों का खतरा था। जमीन पर बारूदी सुरंगें बिछी थीं और आसमान में मंडराते ड्रोन पर नजर पड़ते ही जान जाने का डर था। वह न तो आसानी से वहां से निकल सकता था और न ही कोई उसे बचाने पहुंच पा रहा था। ऐसे में उसे बचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। रूसी हमले में दोस्त मारा गया, खुद घायल हुए कोस्ट्यातिन व्लासेंको पूर्वी यूक्रेन के कुपियांस्क मोर्चे पर तैनात थे। वहां रूसी सेना के हमलों का खतरा लगातार बना रहता था। व्लासेंको और उनका एक साथी कंक्रीट के नाली के पाइप में बने छिपने पर रहते थे। दोनों साथ मिलकर मोर्चा संभाल रहे थे। इसी साल 14 फरवरी को रूसी सेना के ड्रोन हमले में व्लासेंको के साथी की मौत हो गई। विस्फोट के छरों से व्लासेंको भी घायल हुए। उनके दोनों पैर बुरी तरह जखमी हो गए। व्लासेंको को तुरंत इलाज की जरूरत थी, लेकिन उस जगह तक डॉक्टरों का पहुंचना



बेहद मुश्किल था। चोट इतनी गंभीर थी कि उनके दाहिने पैर में गैंगरीन फैल गया।

पैर सड़ा तो खुद ही चाकू से काटकर अलग किया

इस बीमारी में शरीर का प्रभावित हिस्सा सड़ने लगता है। इलाज न मिलने और हालत बिगड़ने के कारण व्लासेंको ने अपना पैर खुद काटकर अलग कर दिया। घायल होने के बाद भी सैनिक को पूरी तरह अकेला नहीं छोड़ा गया था। यूक्रेनी सेना ड्रोन से उसके लिए खाना, पानी और दवाएं भेजती थी। हर 4-5 दिनों में सामान उसके छिपने के पास गिराया जाता था। सैनिक रेंगर वहां पहुंचता और जरूरत का सामान उतारता था। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी इसी मदद के सहारे वह दुश्मन के बीच अपनी जान बचाए रहा।



ड्रोन से उतारने के बाद रोबोट से अस्पताल पहुंचाया

हवा से निकालने के बाद भी व्लासेंको को अस्पताल पहुंचाने का काम बाकी था। उन्हें ड्रोन से उतारकर जमीन पर चलने वाले 'मिरोतवोरेक्स' नाम के रोबोटिक वाहन पर रखा गया। इस वाहन को दूर से चलाया जा सकता है, इसलिए सैनिकों को खुद उस खतरनाक रास्ते पर जाने की जरूरत नहीं पड़ी।रोबोट व्लासेंको को आगे सुरक्षित इलाके तक ले गया। वहां से बचाव दल ने उन्हें गाड़ी में बैठाया और अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया।

दावा: सीएम मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर 3 घंटे रोका

50,000 का चालान काटा, फ्रांस से लौटे थे; आप बोली- केन्द्र का अहंकार टूटना चाहिए

नई दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को दावा किया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर तीन घंटे रोका गया। आप के मुताबिक, पेरिस से लौटने के बाद अधिकारियों ने मान का 50 हजार रुपए का चालान भी काटा। अधिकारियों ने इसके पीछे ऊपर से बहुत दबाव होने की बात कही।दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने झूठ पर पोस्ट कर कहा कि जैसे दशहरा पर रावण का धमंड



खत्म हुआ था, वैसे ही केन्द्र सरकार का अहंकार टूटना चाहिए। मान पेरिस में 17 से 21

दावा- सामान लोड होने के बाद काटा चालान

पंजाब आप के मीडिया प्रभारी बलदेव पन्नु ने इस घटना को केन्द्र की ओर से मान की विदेश यात्राओं की अनुमति बार-बार रोकने से जोड़ा।

उन्होंने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि अधिकारियों ने शुरू में सामान आने या जांच में देरी का हवाला दिया। जब मुख्यमंत्री मान का सामान उनकी गाड़ी में लोड होने वाला था और वे जाने वाले थे, तभी अधिकारियों ने यह कहते हुए चालान जारी कर दिया कि वे ऊपर से भारी दबाव में हैं।

अक्टूबर तक चल रहे अंतरराष्ट्रीय फूड ट्रेड एजीबिशन SIAL पेरिस 2026 में शामिल हुए थे। केन्द्र के फैसले के खिलाफ मान को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने फ्रांस दौरे की परमिशन दी थी।



इंफाल,एजेंसी।मणिपुर में सुनुरोक पहाड़ी पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हमले में 19 अक्टूबर को 3 लोगों की मौत हो गई थी और 3 घायल हुए थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 हथियार, 1,095 कारतूस और विस्फोटक बरामद किए हैं। राज्य के एडीजीपी ल्हारी दोरजी खाटू ने प्रेस

कॉन्फ्रेंस कर मंगलवार को यह जानकारी दी। हमले के विरोध में नेटिव पीपल्स कमेटी मणिपुर (NPCM) ने सोमवार आधी रात से 48 घंटे का बंद बुलाया है। समिति ने हमले के जिम्मेदार सशस्त्र समूहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बंद के कारण पूरे मणिपुर में जनजीवन प्रभावित हुआ है।

मणिपुर में तीन लोगों की हत्या मामले में 3 गिरफ्तार

12 हथियार और विस्फोटक बरामद; हमले के विरोध में 48 घंटे का राज्यव्यापी बंद जारी

वहीं, घटना से नाराज लोगों ने इम्फाल में मुख्यमंत्री के आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया था। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े थे। 3 आरोपियों में से 2 ने हमले की बात कबूली एडीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 3 आरोपियों में से 2 ने शुरुआती पूछताछ में हमले में शामिल होने की बात कबूल की है। तीसरे आरोपी की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान भी कर रही है। आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने INSAS, M16, AK-47/टाइप-81 और 7.62 मिमी स्नाइपर राइफल समेत 12 हथियार बरामद किए हैं। इनमें तीन 12-बोर बंदूकें, एक लेशोड गन और एक देशी रॉकेट लॉन्चर भी शामिल हैं। पुलिस ने अलग-अलग बोर के 1,095 कारतूस भी जब्त किए हैं। पुलिस ने टीएनटी की सिल्लियां, पीके विस्फोटक, बारूद, लेशोड शेल, देसी बम, राइफल ग्रेनेड, हैंड ग्रेनेड, देसी मोर्टार और तीन डेटोनेटर भी बरामद किए हैं।इसके अलावा रॉडियो

राज्यव्यापी बंद के चलते सरकारी कार्यालयों में उपस्थिति कम रही राज्यव्यापी बंद का असर पहाड़ी और घाटी, दोनों क्षेत्रों में दिखा। NPCM ने कहा कि सरकार जब तक मांगों को पूरा करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाती, तब तक विरोध जारी रहेगा। हालांकि, स्वास्थ्य सेवाओं, धार्मिक गतिविधियों और जरूरी सेवाओं को बंद से छूट दी गई है। बंद के कारण दुकानें, बाजार, बैंक, निजी कार्यालय और स्कूल-कॉलेज बंद रहे। पुलिस और सरकारी गाड़ियों को छोड़कर सार्वजनिक और निजी परिवहन सेवाएं भी बंद रहें।मनोरंजन स्थल और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां भी ठप रही। सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति कम रही।

सेट, बैटरियां, हेलमेट, वर्दियां, एक मोनोक्वियुलर और अफीम के पौधों के बीज भी जब्त किए गए हैं। पुलिस

शाह बोले:कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति

2029 तक देश नशामुक्त बनाएंगे, नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में 3,600 जवानों ने बलिदान दिया

नई दिल्ली,एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने लंबे समय से चली आ रही तीन बड़ी चुनौतियों-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में अब शांति है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई और प्रयासों की सराहना की।शाह ने नशे के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने



का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा।राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस पर दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में शाह ने शहीद

नशे के खिलाफ बाइक रैली रवाना

कार्यक्रम से पहले शाह ने करीब 90 पुलिस राइडर्स की देशव्यापी बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई। रैली में CRPF, CISF, BSF, SSB, ITBP और NSG के जवानों के साथ रेलवे सुरक्षा बल (RPF), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) के कर्मी भी हिस्सा ले रहे हैं।रैली कई राज्यों से गुजरते हुए गुजरात के एकता नगर पहुंचेगी। यहां 31 अक्टूबर 2026 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित एकता परेड में राइडर्स शामिल होंगे। इस दिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में पुलिसकर्मियों का योगदान

महत्वपूर्ण है और उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

यौन अपराधी एपस्टीन और मंत्री हरदीप पुरी की फोटो वायरल

मंत्री ने कहा था- कभी अकेले नहीं मिला; कांग्रेस का सवाल- फिर तस्वारे कहां से आई

नई दिल्ली,एजेंसी।अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की कई तस्वीरें वायरल हैं। ये तस्वीरें इसलिए अहम मानी जा रही हैं, क्योंकि पुरी लगातार कहते रहे हैं वे एपस्टीन से केवल प्रतिनिधिमंडल के साथ मिले, अलग से कभी मुलाकात नहीं हुई। तस्वीरें सामने आने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रिनेत ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा-



जब पुरी ने कहा था कि वे एपस्टीन से कभी अकेले नहीं मिले, तो इन तस्वीरों के क्या मायने हैं? TMC सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा- पुरी

कहते थे कि वे एपस्टीन से तीन-चार बार डेलिगेशन के साथ मिले थे, दोनों तस्वीरों में बाकी सदस्य कहां थे।

वेबसाइट पर एपस्टीन-

पुरी की 11 तस्वीरें

इन तस्वीरों को जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ जारी जारी दस्तावेजों के नौवें सेट में रखा गया था। इस सेट में कम से कम 11 तस्वीरें हैं।मंगलवार को यह तस्वीर सोशल मीडिया पर चर्चा में आई।इन तस्वीरों में दोनों लगभग एक ही स्थिति में बैठे दिखाई देते हैं।

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार अमृतसर से लाए

दो महिलाओं ने मुंबई तक पहुंचाया

मुंबई,एजेंसी।एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार अमृतसर से लाए गए थे। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा के सोनीपत के कुणाल (21) और सुमित (19) ने लॉरेंस गैंग के मेंबर अनिल पंडित के निर्देश पर एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए।इसके बाद उत्तर प्रदेश की राधा (23) और बबीता (23) नाम की दो महिलाओं ने इन्हें मुंबई तक पहुंचाया। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को कुणाल, सुमित, राधा और बबीता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, हथियार जुटाने और उन्हें शूटों तक पहुंचाने में चारों का रोल था।इससे पहले पुलिस ने फायरिंग के आरोपियों बिहार के ऋतिक और हरियाणा के रेहान और फूल सिंह को सोमवार को कोटा से गिरफ्तार किया था।



टाइगर पर फायरिंग मामले में 6 गिरफ्तार, दो हिरासत में

टाइगर पर फायरिंग के मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सबसे पहले पुलिस ने फायरिंग के मामले में बिहार के ऋतिक उर्फ रोशन, हरियाणा के रेहान और एक नाबालिग को कोटा से गिरफ्तार किया था। रेहान के दोस्त समीर और बोनी उर्फ रीनक भी पुलिस हिरासत में हैं। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने हथियारों की सप्लाई में भूमिका के आरोप में कुणाल, सुमित, राधा और बबीता को गिरफ्तार किया। राधा और बबीता को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया, जबकि कुणाल और सुमित को सोनीपत से हिरासत में लिया गया।

डेढ़ साल की बच्ची को छठी मंजिल से फेंका

10 साल की पड़ोसी बच्ची के खिलाफ 7 दिन बाद एफआईआर

मुंबई,एजेंसी। मुंबई के गोरगांव में डेढ़ साल की बच्ची की छठी मंजिल से गिरकर मौत मामले में पुलिस ने 7 दिन बाद हत्या की FIR दर्ज की है। बच्ची की मां ने 10 साल की पड़ोसी बच्ची पर उसे नीचे फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पहले आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया था।घटना 14 अक्टूबर की रात हुई थी। पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में नाबालिग लड़की छोटी बच्ची को उधकर रेलिंग से खुले डकट में धकेलती दिखाई दी। इसके बाद वह वहां से भाग गई। सोसायटी के लोग घायल बच्ची को अस्पताल ले गए।हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी नाबालिग को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश किया था।

बोर्ड ने उसकी काउंसिलिंग कराने के निर्देश दिए और उसे माता-पिता की देखरेख में छोड़ दिया।



बिल्ली के साथ खेल रही थी डेढ़ साल की बच्ची:एफआईआर के मुताबिक, घटना गोरगांव ईस्ट की शिवशाही बिल्डिंग में रात करीब 9 से 9:30 बजे के बीच हुई थी। मां के मुताबिक, उनकी 18 महीने की बेटी छठी मंजिल पर घर के बाहर कॉमन कॉरिडोर में एक बिल्ली के साथ खेल रही थी।कुछ देर बाद बच्ची दिखाई नहीं दी, तो मां ने उसके 12 साल के भाई को तलाशने भेजा। भाई को वह नहीं मिली। उसने सीढ़ियों के खुले डकट में नीचे देखा, जहां उसे अपनी बहन जैसे कपड़े पहने बच्ची पड़ी दिखाई दी। उसने तुरंत मां को बताया।

संक्षिप्त समाचार

शिवा हत्याकांड: 3 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मृतक की मां ने जताया UP सरकार का आभार

अब बेटे की अस्थियों का करेंगी विसर्जन



लखनऊ, एजेंसी। शिवा शर्मा हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मृतक की मां रंजना ने उत्तर प्रदेश सरकार और लखनऊ पुलिस का आभार व्यक्त किया है। मामले में तीन आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद रंजना ने कहा कि पुलिस की इस तत्परता से उन्हें न्याय की उम्मीद जगी है। हालाँकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके बेटे की हत्या की साजिश में शामिल हर एक दोषी को चिह्नित कर उसके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि किसी भी आरोपित को बख्शा न जा सके। बेटे के न्याय के लिए रंजना के सब्र का अंजुआ इसी बात से लगाया जा सकता है कि आरोपितों की गिरफ्तारी का इंतजार करते हुए उन्होंने दस दिनों तक शिवा की अस्थियों का विसर्जन नहीं किया था।

महाराष्ट्र में आश्रम स्कूल से चुपके से निकले छात्र हुए सड़क हादसे का शिकार, दो की मौत

पालघर, एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक गांव के मेले से अपने आश्रम स्कूल लौट रहे छात्रों की मोटरसाइकिल फिलचतकर सड़क किनारे एक गड्ढे में गिर गई, जिससे उस पर सवार दो लड़कों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार तड़के जवाहर तालुका में हुई। पांचों छात्र सरसुन गांव में नवरात्र उत्सव में शामिल होने के लिए होरादपाड़ा गगनगिरी आश्रम स्कूल से चुपके से बाहर निकले थे। घटना के बाद स्कूल के प्रधानाध्यापक, वाइन और चौकीदार को निलंबित कर दिया गया। जवाहर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पांचों छात्र छात्रावास से चुपके से निकलकर एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर गए थे। 19 अक्टूबर को तड़के 2:30 से तीन बजे के बीच स्कूल लौटते समय उनकी मोटरसाइकिल कोणार्ज घाट पर भीषण हादसे का शिकार हो गई। हादसे में सुमित मोतीराम भिंगल और प्रीतम गणेश पोटेंडा की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

इंदौर में कन्या भोज के लिए बुलाई गईं सात बच्चियों से मारपीट, कपड़े उतरवाने का आरोप



इंदौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के इंदौर से एक बेहद हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। इंदौर में नवरात्रि के आखिरी दिन कन्या भोज के दौरान एक सरकारी टीचर पर बच्चियों को पीटने का आरोप लगा है। बच्चियों के परिजनों का आरोप है कि सरकारी रिटायर टीचर ने पहले खुद बच्चियों को भोज के लिए बुलाया था। टीचर पर बच्चियों को कपड़े उतरवाकर मारने और करीब 4 घंटे करीब में बंद रखने का भी आरोप लगाया गया है। बच्चियों के मुताबिक, वे कन्या भोज के लिए इलाके में गई थीं। तभी टीचर अनीता मोहता उन्हें अपने घर बुला ले गईं। उन्होंने गिफ्ट और पैसे देने का लालच दिया। घर पहुंचने के बाद महिला ने कहा कि यहां पैसे रखे थे, तुम लोगों ने चुराए होंगे। इसके बाद उन्होंने बच्चियों को कमरे में बंद कर दिया और थपड़ मारने लगीं। बच्चियों का कहना है कि उन्होंने कपड़े भी उतरवाए और मारपीट जारी रखी। वे भिन्नते करती रहीं कि उन्होंने कोई चोरी नहीं की, लेकिन महिला नहीं मानी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए। वे बच्चियों को लेकर एमआईजी थाने पहुंचे और हंगामा करते हुए महिला के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने बच्चियों के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एमआईजी थाना प्रभारी चंद्रभाल सिंह ने बताया कि शिकायत मिली है और मामले की जांच की जा रही है। आरोपी महिला नया बसेरा इलाके में करीब 10 साल तक सरकारी स्कूल में पढ़ा चुकी हैं, जहां वे बच्चियां रहती हैं।

परवर्तड़ झोटा मर्डर केस की सीबीआई जांच शुरू

चंडीगढ़, एजेंसी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने परवर्तड़ सिंह झोटा के मामले की जांच मंगलवार को सीबीआई को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि परिवार की मांग का सम्मान करते हुए यह फैसला लिया गया है। सरकार नशा तस्करो के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी और पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। बुधवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस हत्याकांड को लेकर एक बार फिर से मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान में बारिश-ओले के बाद बढ़ी ठंडक, 24 अक्टूबर से फिर बदलेगा मौसम

जयपुर, एजेंसी। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर में मौसम साफ रहा। यहां बारिश के बजाय तेज धूप का असर दिखाई दिया। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यानी प्रदेश के कुछ इलाकों में जहां बारिश के बाद ठंडक महसूस होने लगी राजस्थान में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के बाद मौसम का मिजाज बदलने लगा है। दक्षिणी राजस्थान के कई इलाकों में मंगलवार को तेज हवा के साथ बारिश हुई, जबकि भीलवाड़ा और राजसमंद में ओले भी गिरे। बारिश के असर से रात के तापमान में गिरावट आई है। प्रदेश के 10 से ज्यादा जिलों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। सीकर में तो रात का पारा माउंट आबू से भी नीचे दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिन प्रदेश में मौसम साफ रहने और धूप निकलने की संभावना है। लेकिन इसके बाद मौसम फिर करवट ले सकता है। 24 अक्टूबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से बीकानेर और जयपुर संभाग के कुछ इलाकों में आंभी-बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू, सीकर और झुंझुनूं में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।



कहीं बारिश-ओले, तो कहीं तेज धूप; राजस्थान में मौसम के दो रंग: मंगलवार को प्रदेश के कई जिलों में मौसम का अलग-अलग रूप देखने को मिला। राजसमंद, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, पाली, बूंदी, सिरोंही और उदयपुर के कई इलाकों में दोपहर बाद अचानक मौसम बदला। तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। भीलवाड़ा और राजसमंद में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे इन क्षेत्रों में ठंडक बढ़ गई। दूसरी ओर, पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर में मौसम साफ रहा। यहां बारिश के बजाय तेज धूप का असर दिखाई दिया। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यानी प्रदेश के कुछ इलाकों में जहां बारिश के बाद ठंडक महसूस होने लगी, वहीं कुछ जगहों पर दिन में गर्मी का असर बना रहा।

बच्चे को जबरन चूमना स्नेह नहीं



मुंबई की पीओसीएसओ कोर्ट ने 50 साल के व्यक्ति को सुनाई 5 साल कठोर कैद की सजा

भी व्यक्ति किसी नाबालिग पीड़ित के खिलाफ ऐसी हरकत न करे।' जज ने आरोपी की उम्र, उसका कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड न होने और उसे खुद को सुधारने का एक मौका देने की जरूरत पर भी ध्यान दिया।

बच्ची की बात पर कोर्ट ने किया भरोसा : कोर्ट ने गौर किया कि बच्ची ने क्रॉस एग्जामिनेशन के दौरान बताया था कि उसके परिचित लोग कभी-कभी उसे गोद में उठा लेते थे, हवा में उछालते थे, पकड़ते थे, चुमते थे और वापस उसकी मां को सौंप देते थे। कोर्ट ने कहा कि ऐसा व्यवहार उन लोगों के साथ होता है जिन्हें बच्ची जानती है, जबकि आरोपी एक अजनबी था। कोर्ट ने बच्ची की गवाही को उसकी कम उम्र के बावजूद भरोसेमंद माना। यह घटना 3 मार्च 2025 को हुई थी, जब बच्ची अपनी मां के साथ एक मंदिर की ओर जा रही थी। अभियोजन पक्ष ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता को पकड़ा, उसकी गर्दन और हाथ जकड़ लिए, जबरदस्ती उसे घुमा और उसके गाल तथा गर्दन के पिछले हिस्से पर काट लिया, जिससे वह रौने लगी। स्थानीय लोगों ने आरोपी को तुरंत पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले में 9 मई 2025 को चार्जशीट दाखिल की गई। 8 अप्रैल 2026 को आरोप तय किए गए और अगले दिन से सबूत पेश करने की प्रक्रिया शुरू हो गई।

प्रत्यक्षदर्शी के बयान और बच्ची की गवाही की आधार पर, अदालत ने माना कि सबूत विश्वसनीय और भरोसेमंद हैं। न्यायाधीश ने कहा, अभियोजन पक्ष ने यह साबित कर दिया है कि आरोपी ने 12 साल से कम उम्र की पीड़िता को पकड़ा और उसके गाल व गर्दन पर चूमकर या काटकर तथा उसे गलत तरीके से छूँकर यौन उत्पीड़न किया।

10 साल बाद ही एगिजट और 3 महीने का नोटिस शर्तों पर हुआ है पाकिस्तान-सऊदी-तुर्किये के बीच समझौता

रियाद,एजेंसी। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये को अपने रक्षा समझौते के लागू होने के बाद कम से कम 10 साल तक इसमें बने रहना होगा। यदि इसके बाद कोई भी सदस्य देश समझौते से अलग होना चाहता है, तो उसे कम से कम तीन महीने पहले लिखित नोटिस देना अनिवार्य होगा। यह शर्त 16 अनुच्छेदों वाले मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के अनुच्छेद 16 में तय की गई है। हाल ही में सामने आए इस समझौते के पूर्ण मसौदे से जुड़े नियम स्पष्ट हुए हैं। समझौते की 10 वर्ष की अवधि हस्ताक्षर की तारीख से नहीं, बल्कि गठबंधन के सचिवालय में अंतिम अनुमोदन दस्तावेज जमा होने के दिन से गिनी जाएगी।

किसी एक देश पर हमला होने की स्थिति में क्या होगा: इस समझौते के तहत यदि किसी भी सदस्य देश पर कोई हमला होती है, तो बाकी देश उसकी सहायता के लिए बाध्य होंगे। समझौते के अनुच्छेद 2 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि किसी एक देश या देशों के समूह द्वारा



सदस्य देश पर हमला होने की स्थिति में अन्य देश उपलब्ध परस्परिक सहायता उपायों का इस्तेमाल करते हुए तुरंत मदद मुहैया कराएंगे।

समझौते में यह अनिवार्य नहीं किया गया है कि हर हमले पर एक जैसी सैन्य प्रतिक्रिया ही दी जाए। सहायता का स्वरूप और पैमाना इस बात पर निर्भर करेगा कि पीड़ित देश की वास्तविक आवश्यकताएं और पैमाना इस बात पर निर्भर करेगा कि पीड़ित देश की वास्तविक आवश्यकताएं और पैमाना इस बात पर निर्भर करेगा कि पीड़ित देश की वास्तविक आवश्यकताएं

लचीलापन तीनों सरकारों को संकट के समय अपने हिसाब से निर्णय लेने का अवसर देता है।

समझौते को कानूनी मंजूरी देने की दिशा में तुर्किये: तुर्किये की सरकार ने पाकिस्तान और सऊदी अरब के साथ हुए इस रक्षा समझौते को मंजूरी के लिए अपनी संसद में पेश कर दिया है। यह कदम अंकारा को रियाद के साथ औपचारिक पारस्परिक रक्षा प्रतिबद्धता के और करीब लाता है, विशेषकर ऐसे समय

में जब सऊदी अरब यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों का सामना कर रहा है। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 7 अगस्त को मक्का में इस ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। उस समय नेताओं ने इसका मूल सिद्धांत साझा किया था, किसी भी एक देश पर सशस्त्र हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त सैन्य अभ्यास, खुफिया जानकारी साझा करने और रक्षा उत्पादन में सहयोग की घोषणा भी की गई थी।

पाकिस्तान का पूरा समर्थन लेकिन आक्रामक भूमिका से तुर्किये का इनकार: सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के ड्रोन और मिसाइल हमलों के कारण यह समझौता अपनी शुरुआती परीक्षा के दौर से गुजर रहा है। हाल ही में रियाद में हुई आपातकालीन बैठक में तीनों देशों ने सऊदी अरब में सैन्य बलों और क्षमताओं की त्वरित तैनाती सुनिश्चित करने पर सहमति जताई थी।

जानकारी देते हैं। उग्र और मृत्यु के जोखिम का अनुमान लगाने के लिए, दोनों एल्योरिदम चेहरे के अलग-अलग हिस्सों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। फाह फेसएज नाक के किनारों से लेकर मुंह के कोनों तक बनने वाली रेखाओं, आंखों के ठीक ऊपर मांथे के हिस्से और कनपटी वाले क्षेत्र पर ध्यान देता है। दूसरी ओर, फाह फेस आंखों के नीचे और नाक के पुल के आसपास के हिस्से का विश्लेषण करता है। चेहरे के स्वास्थ्य की पहचान करने वाले एआई के क्षेत्र को एक कदम और आगे ले जाता है। यह कैसर के मरीजों के चेहरे की तस्वीरों से सीधे तौर पर उनके जीवित रहने के जोखिम का पता लगाता है। हमारी जानकारी के अनुसार, यह पहला ऐसा उदाहरण है जिसमें एक एआई मॉडल किसी व्यक्ति की साधारण तस्वीर से सीधे तौर पर कैसर के मामले में उनके जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगा सकता है। वहीं, फाह फेस सीधे चेहरे की तस्वीर से जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगाता है, न कि बायोलॉजिकल उग्र के जरिए। हालांकि फाह फेसएज और फाह फेस दोनों एक ही मॉडल से तैयार किए गए हैं, लेकिन ये मरीज के स्वास्थ्य के बारे में अलग-अलग और एक-दूसरे के पूरक प्रकार की



प्रकाशित किया गया है। इस मॉडल पर किए गए एक अध्ययन के नतीजों के अनुसार, यह सिस्टम किसी व्यक्ति की बायोलॉजिकल उग्र का अनुमान लगा सकता है- यानी वह व्यक्ति अपनी वास्तविक उग्र के बजाय दिखने में कितना बड़ा या छोटा लगता है। साथ ही, यह कैसर के मरीजों के चेहरे की एक सामान्य तस्वीर देखकर उनके जीवित रहने की संभावना का भी अनुमान लगा सकता है। डॉक्टरों ने इस तकनीक का उपयोग करके दो पूरक टूल

विकसित किए हैं। फाह फेसएज मरीज की बायोलॉजिकल उग्र का अनुमान लगाता है और कैसर के मामले में जीवित रहने की संभावना बताता है। वहीं, फाह फेस सीधे चेहरे की तस्वीर से जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगाता है, न कि बायोलॉजिकल उग्र के जरिए। हालांकि फाह फेसएज और फाह फेस दोनों एक ही मॉडल से तैयार किए गए हैं, लेकिन ये मरीज के स्वास्थ्य के बारे में अलग-अलग और एक-दूसरे के पूरक प्रकार की

कैलिफोर्निया के हाईवे पर प्लेन क्रैश, डैशकैम वीडियो में कैद हुआ मंजर, बाल-बाल बचे 3 यात्री

वाशिंगटन, एजेंसी। कैलिफोर्निया के सैन जोस में एक्सप्रेसवे पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक छोटा विमान बेहद कम ऊंचाई पर उड़ते हुए सीधे सड़क पर आ गया। ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ी एक कार के डैशकैम में कैद हुए इस खोफनाक हादसे में विमान का पंख स्ट्रीट लाइट के खंभे से टकराकर विमान आंधे मुंह सड़क पर गिर गया। राहत की बात यह थी कि विमान में सवार दो वयस्कों और एक बच्चे सहित सभी यात्री इस भीषण दुर्घटना में बाल-बाल बच गए।

खंभे से पंख टकरा ने से आँधे मुंह सड़क पर गिरा विमान: सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो फुटेज के अनुसार, यह हादसा शनिवार को सैन जोस के कैपिटोल एक्सप्रेसवे और एक्सकैलिबर ड्राइव के चौराहे के पास हुआ। एक छोटा प्रोपेलर विमान अप्रत्याशित रूप से काफी नीचे और तीखे कोण पर उड़ता हुआ दिखाई दिया। सड़क के किनारे से गुजरते समय विमान का एक पंख वहां लगे स्ट्रीट लाइट के खंभे से जोरदार तरीके से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि विमान का पंख तुरंत टूट गया, जिससे विमान अनियंत्रित हो गया। इसके बाद विमान सीधे आगे की ओर झुका और नाक के बल पकड़ी सड़क पर जा गिरा। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में विमान का अगला हिस्सा बुरी तरह कुचला और मुड़ा हुआ नजर आ रहा है। सैन जोस अग्निशमन विभाग के अनुसार, विमान में दो बड़े और एक बच्चा सवार थे। हादसे की गंभीरता को देखते हुए एहतियात के तौर पर तीनों को तुरंत पास के एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पुष्टि की कि किसी को भी जानलेवा चोट नहीं आई है।

कैंसर के इलाज में बड़ा कदम: चेहरे की फोटो से तय होगी कैंसर मरीज की रिकवरी

जानकारी देते हैं। उग्र और मृत्यु के जोखिम का अनुमान लगाने के लिए, दोनों एल्योरिदम चेहरे के अलग-अलग हिस्सों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। फाह फेसएज नाक के किनारों से लेकर मुंह के कोनों तक बनने वाली रेखाओं, आंखों के ठीक ऊपर मांथे के हिस्से और कनपटी वाले क्षेत्र पर ध्यान देता है। दूसरी ओर, फाह फेस आंखों के नीचे और नाक के पुल के आसपास के हिस्से का विश्लेषण करता है। चेहरे के स्वास्थ्य की पहचान करने वाले एआई के क्षेत्र को एक कदम और आगे ले जाता है। यह कैसर के मरीजों के चेहरे की तस्वीरों से सीधे तौर पर उनके जीवित रहने के जोखिम का पता लगाता है। हमारी जानकारी के अनुसार, यह पहला ऐसा उदाहरण है जिसमें एक एआई मॉडल किसी व्यक्ति की साधारण तस्वीर से सीधे तौर पर कैसर के मामले में उनके जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगा सकता है। वहीं, फाह फेस सीधे चेहरे की तस्वीर से जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगाता है, न कि बायोलॉजिकल उग्र के जरिए। हालांकि फाह फेसएज और फाह फेस दोनों एक ही मॉडल से तैयार किए गए हैं, लेकिन ये मरीज के स्वास्थ्य के बारे में अलग-अलग और एक-दूसरे के पूरक प्रकार की

4 करोड़ फोटो से ट्रेन हुआ एआई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमरीका के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा फाउंडेशन एआई मॉडल तैयार किया है जो किसी व्यक्ति की सामान्य चेहरे की सेल्फी का विश्लेषण करके उसकी बायोलॉजिकल उग्र और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में उसके जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगा सकता है। इस एआई सिस्टम को मैसाचुसेट्स के एक गैर-लाभकारी, एकीकृत शैक्षणिक स्वास्थ्य सेवा संस्थान मैस जनरल ब्रिघम के विशेषज्ञों ने तैयार किया है। इसका उद्देश्य मरीजों की बायोलॉजिकल उग्र का पता लगाना और कैंसर से पीड़ित मरीजों के जीवित रहने की संभावनाओं का सीधा अनुमान लगाना है। यह अब तक के सबसे व्यापक उद्घरणों में से एक है कि कैसे किसी व्यक्ति की सेल्फी का एआई विश्लेषण करके उनके स्वास्थ्य का आकलन किया जा सकता है और उनके इलाज में मदद मिल सकती है। इस सिस्टम को अलग-अलग जातीय समूहों और उग्र के लोगों की 4 करोड़ (40 मिलियन) से अधिक तस्वीरों के डेटा पर प्रशिक्षित किया गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का विवरण लैसेट डिजिटल हेल्थ जर्नल में

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को नमन, परिजनों का किया सम्मान

सीधी में पुलिस परेड ग्राउंड पर आयोजित हुआ श्रद्धांजलि कार्यक्रम, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, कलेक्टर और एसपी ने वीर जवानों के बलिदान को किया याद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार को पुलिस परेड ग्राउंड सीधी में देश की सुरक्षा, शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीद पुलिस जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने शहीद जवानों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अदम्य साहस, वीरता और कर्तव्यनिष्ठा को नमन किया इस दौरान शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, कलेक्टर विकास मिश्रा और पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे सभी ने शहीद जवानों के राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा



कि उनका बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

राष्ट्र सदैव वीर जवानों का ऋणी रहेगा : सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि देश की सुरक्षा, शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका साहस, कर्तव्यनिष्ठा और



है। उनके बलिदान से समाज में शांति, सुरक्षा और सद्भाव बनाए रखने के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिजनों का सम्मान करना और उनकी भावनाओं का आदर करना समाज एवं प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है।
कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन की मिसाल हैं शहीद : एसपी: पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस कर्तव्य पालन के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों को याद करने और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। शहीद जवानों का साहस, अनुशासन और कर्तव्य के प्रति समर्पण पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रेरणादायी है पुलिस विभाग नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंदिरों के पुजारियों को 18 हजार रुपए मासिक सम्मान निधि दे सरकार :अनुपम तिवारी



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता व मानस मंडल रीवा के पूर्व अध्यक्ष श्री अनुपम तिवारी ने अपने एक वक्तव्य में कहा कि रीवा के लक्ष्मण बाग संस्थान में पिछले दिनों पुल के भूमि पूजन के दौरान उपमुख्यमंत्री और रीवा विधायक श्री राजेंद्र शुक्ल ने पुजारी और भगवान के सेवादारों के प्रति मुस्कुराते हुए व्या्यात्मक टिप्पणी करते हुए सार्वजनिक रूप से उनका अपमान किया और कहा कि भगवान को लगने वाले भोग को ग्रहण करके पुजारी मस्त मौला हो रहे हैं और उनके चेहरों में चमक आ रही है इस लहजे का कटाक्ष जो उन्होंने पुजारी समुदाय के विरुद्ध

सार्वजनिक रूप से उक्त समारोह में किया वह अत्यधिक अशोभनीय है और समस्त पुजारी समुदाय का अपमान है क्योंकि यही पुजारी समुदाय और भगवान के सेवादार परिकर जो पीढ़ी दर पीढ़ी मठ मंदिरों के रखरखाव के साथ न सिर्फ भगवान की सेवा करते हैं बल्कि सत्य सनातन संस्कृति और धर्म की रक्षा करते हैं और महान परंपराओं को सहेजते हैं उनका और उनके परिवार जनों का जीवन किस प्रकार से अति सामान्य स्थितियों में गुजर बसर होता है वह शायद श्री राजेंद्र शुक्ला जी जैसे पूंजी पति एहसास कर ही नहीं सकते तो उन्हें पुजारी समुदाय से इस प्रकार मजाक करने का कोई हक नहीं है अगर वास्तव में श्री शुक्ला जी और भारतीय जनता पार्टी पुजारी समुदाय के हितैषी बनते हैं तो मेरी मांग है कि जितने भी मठ मंदिर हैं पुजारी, सेवादार पारिकर हैं प्रत्येक को कम से कम 18000 रुपए प्रतिमाह सम्मान निधि की प्रदान की जाए और इसकी तत्काल घोषणा यह सनातन धर्म के नाम पर सत्तारूढ सरकार करे।

स्टेडियम में सुविधाओं के लिए युवाओं का धरना, सीएमओ के खिलाफ की नारेबाजी



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर के स्टेडियम में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर बुधवार दोपहर युवाओं ने नगरपालिका परिषद कार्यालय में प्रदर्शन किया करीब 3 बजे आधा दर्जन युवा सीएमओ कक्ष के सामने

बरामदे में धरने पर बैठ गए और अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। इस दौरान युवाओं ने सीएमओ के खिलाफ भी मुद्राबाद के नारे लगाए प्रदर्शन की सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवाओं को समझाइश दी लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे।

सिंथेटिक ट्रैक और पेयजल की मांग : दर्शन कर रहे युवाओं की प्रमुख मांग स्टेडियम में सिंथेटिक रनिंग ट्रैक का निर्माण कराने, परिसर का सौंदर्यीकरण करने और खिलाड़ियों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की है। युवाओं का कहना है कि स्टेडियम में नियमित अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दौड़ लगाने वाले युवाओं को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए इसके लिए स्टेडियम का विकास जरूरी है।

मांगें पूरी होने तक आंदोलन की

चेतावनी: प्रदर्शनकारी युवक प्रमोद सिंह ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं होती और समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जाते तब तक वे नगरपालिका परिसर में बैठे रहेंगे युवाओं ने स्टेडियम में आवश्यक सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराने की मांग की।

सीएमओ ने कहा- आवेदन मिलने पर होगी कार्रवाई: नगरपालिका परिषद सीधी के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) महमूद हसन ने बताया कि इस संबंध में पहले किसी ने आवेदन नहीं दिया था अब शिकायत की जा रही है इसलिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी फिलहाल युवाओं के प्रदर्शन के बाद स्टेडियम में सुविधाओं के विकास का मुद्दा चर्चा में आ गया है अब देखा होगा कि नगरपालिका प्रशासन युवाओं की मांगों पर क्या कदम उठाता है

शस्त्र पूजन में DIG की राइफल से नहीं चली गोली, ट्रिगर दबाने पर आई सिर्फ क्लिक की आवाज



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। विजयादशमी के अवसर पर शहडोल पुलिस लाइन स्थित रिजर्व केंद्र में आयोजित शस्त्र पूजन के दौरान एक ऐसी घटना सामने आई जिसने पुलिस के हथियारों की तकनीकी स्थिति और सुरक्षा जांच को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं शस्त्र पूजन के बाद

फायरिंग की रस्म निभाते समय डीआईजी विवेक सिंह की राइफल से गोली नहीं चली ट्रिगर दबाने पर केवल क्लिक की आवाज सुनाई दी इसके बाद दूसरी INSAS राइफल से फायरिंग की रस्म पूरी की गई घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया

है हालांकि डीआईजी की राइफल से गोली नहीं चलने की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है यह तकनीकी खराबी थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण था इसकी आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है ऐसे में घटना को सीधे तौर पर हथियार की खराबी अथवा किसी अधिकारी की लापरवाही का प्रमाण मानना उचित नहीं होगा वास्तविक स्थिति तकनीकी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ शस्त्र पूजन: विजयादशमी के अवसर पर शहडोल पुलिस लाइन स्थित रिजर्व केंद्र में विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। परंपरा के अनुसार पुलिस विभाग

के अस्त्र-शस्त्र और सरकारी वाहनों का पूजन किया गया इस दौरान जिले में सुख-शांति, समृद्धि और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कामना की गई कार्यक्रम में पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे विजयादशमी पर शस्त्र पूजन पुलिस विभाग की परंपरा का हिस्सा है इस अवसर पर पुलिस के हथियारों और वाहनों का पूजन कर कर्तव्य, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की जाती है पूजन कार्यक्रम के बाद फायरिंग पुलिस विभाग की परंपरा का हिस्सा है इस अवसर पर पुलिस के हथियारों और वाहनों का पूजन कर कर्तव्य, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की जाती है

रीवा का गरबा महोत्सव कल्पना से भी ज्यादा भव्य, गुजरात के उत्सवों की दिलाई याद: आयुक्त शीलेन्द्र सिंह

हिन्दू धर्म परिषद के अटल पार्क गरबा महोत्सव का पुरस्कार वितरण के साथ समापन, सैकड़ों कलाकारों की प्रस्तुति पर झूमे हजारों दर्शक



मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। शहर के अटल पार्क में आयोजित हिन्दू धर्म परिषद के नवरात्रि गरबा फेस्टिवल 2026

का पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह के साथ यादगार समापन हुआ सैकड़ों कलाकारों की सामूहिक गरबा प्रस्तुतियों और मां अंबे के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा आयोजन में हजारों दर्शकों ने कलाकारों का उत्साह बढ़ाया और गरबा की विभिन्न शैलियों पर थिरकते नजर आए भव्य आयोजन ने रीवा में नवरात्रि उत्सव की सांस्कृतिक छटा को एक अलग पहचान दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सपरिवार शामिल हुए संभागीय आयुक्त शिवेन्द्र सिंह ने आयोजन की भव्यता की सराहना करते हुए

कहा कि रीवा में हो रहे गरबा महोत्सव के बारे में जितना सुना था वास्तविक आयोजन उससे भी ज्यादा बड़ा और आकर्षक निकला यहाँ के कलाकारों की प्रस्तुतियों को देखकर गुजरात के गरबा उत्सवों की याद ताजा हो गई उन्होंने कहा कि इस आयोजन का अनुभव वे जीवनभर नहीं भूल पाएंगे आयुक्त ने सभी नगरवासियों को नवरात्रि, विजयादशमी और दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं समारोह की अध्यक्षता संजय गांधी अस्पताल के पूर्व संचालक एवं हिन्दू धर्म परिषद के मार्गदर्शक डॉ. सीबी शुक्ला ने की उन्होंने परिषद के

संस्थापक नारायण डिगवानी द्वारा 27 वर्ष पूर्व शुरू किए गए गरबा कार्यक्रम के शुरुआती दौर से लेकर वर्तमान भव्य स्वरूप तक के सफर को याद किया उन्होंने आयोजन की निरंतर सफलता और सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में परिषद के संरक्षक रामकिशन अग्रवाल, केदार गुप्ता, डीपी सिंह परिहार, डॉ. सरोज सोनी, पीयूषेन्द्र त्रिवेदी, राजेश जयपुरिया, टीवी-24 के अभिषेक सिंह और वरुण प्रधान सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। सभी ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

आतिशबाजी के बीच रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतलों का दहन, विजयादशमी पर उमड़ा जनसैलाब

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयादशमी पर्व शहर में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया नगर विजयादशमी उत्सव समिति के तत्वावधान में एनसीसी ग्राउंड (दशहरा मैदान) में आयोजित कार्यक्रम में आकर्षक झांकियों, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भव्य आतिशबाजी के बीच रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतलों का दहन किया गया आयोजन में शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। दर्शकों की भीड़ से दशहरा मैदान खचाखच भर गया कार्यक्रम में सिरमौर विधायक युवराज दिव्यराज सिंह ने नीलकंठ पक्षी को गगन में मुक्त कर पर्व की शुभकामनाएं दीं उन्होंने प्रदेश के

की पूजा-अर्चना के बाद कार्यक्रम की शुरुआत हुई। शाम 7 बजे से राधिकेश म्यूजिकल ग्रुप के भजनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। छत्तीसगढ़ की हिना सिंह, जबलपुर के अमित तिवारी और रतन त्रिपाठी, सतना के विजय कामड़े तथा रीवा की सारिका मिश्रा और सत्यम तिवारी ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

रीवा को नशामुक्त बनाने का लिया संकल्प: कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त शीलेन्द्र सिंह ने शहरवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं विधायक युवराज दिव्यराज सिंह ने नीलकंठ पक्षी को गगन में मुक्त कर पर्व की शुभकामनाएं दीं उन्होंने प्रदेश के

साथ रीवा जिले को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया समिति के संस्थापक संरक्षक सियाराम गुप्ता, संरक्षक वीरेन्द्र गुप्ता और प्रकाश तारानी, अध्यक्ष महेन्द्र सराफ, महासचिव देवेश कुमार सोनी, उपाध्यक्ष प्रभात दीक्षित, कोषाध्यक्ष मोहितलाल गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ नगर विजयादशमी उत्सव समिति ने आयोजन की सफलता पर जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, विद्युत वितरण कंपनी और सहयोगी नागरिकों के प्रति आभार जताया।

24 अक्टूबर को चुरहट से देवेंद्र नगर के लिए शुरू होगी मेमू ट्रेन



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा-सीधी-सिंगरौली रेल लाइन पर चुहट तक रेल संचालन का सफल ट्रायल पूरा होने के बाद अब 24 अक्टूबर को चुहट से देवेंद्र नगर के लिए मेमू ट्रेन का शुभारंभ किया जाएगा चुहट से पहली बार ट्रेन संचालन शुरू होने जा रहा है जिससे क्षेत्र के लोगों में उत्साह का माहौल है इस सेवा से चुहट और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है शुभारंभ कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को कलेक्टर विकास मिश्रा और पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया अधिकारियों ने आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर और एसपी ने कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा अन्य जरूरी सुविधाओं को सुनिश्चित करने पर जोर दिया उन्होंने निर्देश दिए कि शुभारंभ कार्यक्रम व्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न कराया जाए ताकि लोगों को किसी प्रकार की पेशानी न हो चुहट तक रेल लाइन का ट्रायल सफल होने के बाद मेमू ट्रेन का संचालन शुरू होना क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से दिए निर्देश, दीपावली पर अग्निशमन और अस्पतालों में बर्न वार्ड की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगामी त्योहारों को देखते हुए प्रदेश में कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम करने

के निर्देश दिए हैं बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के कमिश्नर्स, कलेक्टरों एवं अन्य अधिकारियों की बैठक में मुख्यमंत्री ने वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत 15 नवंबर

तक पूर्ण कराने को कहा उन्होंने दीपावली के दौरान पटाखा बिक्री स्थलों पर अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था रखने तथा अस्पतालों में बर्न वार्ड की तैयारियों का निरीक्षण

करने के निर्देश भी दिए मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी एक माह में कई पर्व एवं त्योहार मनाए जाएंगे ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था के साथ यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया

जाए कलेक्टर अस्पतालों का निरीक्षण कर बर्न वार्ड की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। गंधीर मरीजों को जरूरत पड़ने पर एयर एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराकर त्वरित उपचार की व्यवस्था की जाए बिजली वितरण से जुड़ी स्थानीय समस्याओं का निराकरण कर निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

स्वामित्व योजना में लापरवाही पर होगी कार्रवाई: मुख्यमंत्री ने स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए बताया कि प्रदेश में अब तक एक लाख 60 हजार 220 प्रकरणों का पंजीयन हो चुका है बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों की सराहना करते हुए उन्होंने शून्य प्रगति वाले पटवारियों को चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई करने के

निर्देश दिए इंदौर, अनूपपुर और धार जिलों में योजना की प्रगति पर विशेष ध्यान देने को कहा।
कम बारिश वाले जिलों में पेयजल और फसल प्रबंधन पर जोर: मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के 12 जिलों में सामान्य से कम वर्षा हुई है। इन जिलों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कम पानी में तैयार होने वाली फसलों के लिए तत्काल कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए फसल अनावरी की जानकारी तीन दिन के भीतर पोर्टल पर अपलोड कराने को कहा खाद्य पदार्थों के नियमित नमूने लेकर जांच कराने तथा मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक प्रबंध करने पर जोर दिया।

भ्रामक नैरेटिव से देश को खतरा

संपादकीय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी पर अपने वार्षिक उत्सव पर जो कुछ कहा, उस पर सभी को ध्यान देना चाहिए-चाहे वे इस संगठन की रीति-नीति से असहमत लोग हो क्यों न हों। उनकी यह चेतावनी समग्रानुकूल है कि भारत में बांग्लादेश और फ्रांस जैसे हालात बनाने की जो कोशिश हो रही है, उसके पीछे कुछ ऐसी शक्तियाँ हैं, जो देश को कमजोर कर अपने संकीर्ण स्वार्थ सिद्ध करना चाहती हैं।

इनमें विदेश की भी कुछ शक्तियाँ हैं, जो अस्तोष को हवा देकर देश में अराजकता फैलाने के लिए सक्रिय हैं। इन शक्तियों में जहाँ कुछ ऐसे संगठन हैं, जिन्हें भारत की प्रगति रास नहीं आ रही है तो कुछ ऐसे भी, जिन्हें भारत का वर्तमान शासन अपने हितों के अनुकूल नहीं लग रहा है। ऐसी शक्तियों का सबसे बड़ा हथियार है सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल प्लेटफ़ार्म।

इंटरनेट मीडिया ऐसी तकनीक पर काम करता है कि वह लोगों के सोच को कहीं अधिक

आसानी से दुष्प्रभावित कर देता है। कई बार तो वह विवेक का पूरी तरह हरण कर लेता है। एआइ के आगमन के चलते यह काम और बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। इसी कारण संघ प्रमुख ने यह रेखांकित किया कि नई तकनीक सीखना और उसमें सक्षम बनना आवश्यक है, लेकिन इसी के साथ नैतिकता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। आज इसकी

अनदेखी नहीं हो सकती कि इंटरनेट मीडिया के जरिये भारत में सामाजिक विभाजन की खाई को चौड़ा करने का ही काम नहीं किया जा रहा है, बल्कि नितांत झूठ और भ्रामक नैरेटिव से लोगों को बगलालाया-उकसाया भी जा रहा है। इसके लिए कई बार लोगों की कुछ जायज चिंताओं की शांति तरीके से आड़ ली जाती है और फिर संबंधित आंदोलन को

खतरनाक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाने लगता है। चिंताजनक यह है कि जन समर्थन पाने के लोभ में राजनीतिक दल भी ऐसे आंदोलनों का साथ देने के लिए आगे आ जाते हैं। देश में इन दिनों यही देखने को मिल रहा है। भारत के प्रति अपने समर्पण को व्यक्त करते हुए संघ प्रमुख ने एक और महत्वपूर्ण बात यह कही कि देश और समाज को चलाने की जिम्मेदारी केवल नेताओं की नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भी है। वे इस जिम्मेदारी का निर्वाह अनुशासन भाव का परिचय देकर और

नियम-कानूनों के पालन के प्रति प्रतिबद्ध रहकर ही कर सकते हैं। वास्तव में देश के समग्र विकास की यही कुंजी है। यह समझा ही जाना चाहिए कि हर समस्या का समाधान आंदोलन नहीं हैं और ऐसे आंदोलन तो कतई नहीं, जो लोगों को विभाजित करने का काम करते हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति और खुशहाली के लिए यह आवश्यक है कि मतभेदों और असहमतियों के बाद भी राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है?

सौरभ वार्पण्य

मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि सपनों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ हर दिन लाखों लोग बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर पहुँचते हैं। मायानगरी की चमक-दमक, फिल्मी सितारों की लोकप्रियता, उद्योग व्यापार की रफ्तार और चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाली जिंदगी मुंबई की पहचान है। लेकिन जब इसी महानगर में सर्रा आम गोलीबारी की घटनाएँ सामने आती हैं, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है। क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है? क्या कभी संगठित अपराध और अंडरवर्ल्ड की दहशत के लिए चर्चा में रहने वाला यह शहर एक बार फिर असुरक्षा के साये में जाने लगा है? अभिनेता टायगर श्राॅफ की गाड़ी पर जुहू के पुष्पा पार्क इलाके के पास कथित गोलीबारी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा की हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन लोग वहाँ पहुँचे और अचानक टायगर श्राॅफ की गाड़ी पर गोलियाँ चलाने लगे। इस घटना में अभिनेता के सुरक्षित होने की बात सामने आई है, जबकि उनके ड्राइवर और पास में मौजूद एक ऑटो-रिक्षा चालक के घायल होने की सूचना है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुँचाया गया और पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है। यदि घटना से जुड़ी ये जानकारीयाँ जांच में पुष्ट होती हैं, तो यह केवल किसी फिल्मी सितारों की सुरक्षा का मामला नहीं रह जाता। यह उस आम नागरिक की सुरक्षा का भी प्रश्न बन जाता है, जो रोजी-रोटी कमाने के लिए सड़क पर निकलता है, ऑटो चलाता है, टैक्सियों में सफर करता है या अपने काम से घर लौट रहा होता है।

किसी चर्चित अभिनेता की गाड़ी पर गोलीबारी होने से खबर सुर्खियों में आना स्वाभाविक है। टायगर श्राॅफ की लोकप्रियता के कारण इस घटना पर देशभर की निगाहें टिकनी थी असमाय्य नहीं है। मगर इस घटना का सबसे गंभीर पहलू यह है कि गोलीबारी की चपेट में वे लोग भी आ सकते थे, जिनका न तो फिल्मी दुनिया से कोई संबंध है और न ही किसी विवाद से। ड्राइवर और ऑटो-रिक्षा चालक जैसे आम लोग ऐसी घटनाओं में बिना किसी गलती के अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सवाल यह है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह अचानक गोलियाँ चलाई जा सकती हैं, तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं? सड़क पर खड़ा व्यक्ति, बाजार में खरीदारी करने वाला परिवार, देर रात ड्यूटी से लौटता कर्मचारी और अपने बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक। इन सभी की सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए। कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमूलक जीवन से होता है। मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबरन वसूली और संगठित अपराध की चुनौतियों का सामना किया है। उस दौर में फिल्मी उद्योग, कारोबारी जगत और आम नागरिकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने वाली घटनाएँ भी हुई थीं। पुलिस की कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और कानून के सख्त इस्तेमाल से शहर ने कई मोर्चों पर अपनी स्थिति मजबूत की। ऐसे में गोलीबारी जैसी कोई घटना लोगों को उस पुराने दौर की याद दिला सकती है। हालांकि, किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि मुंबई में अंडरवर्ल्ड का पुराना आतंक लौट आया है। इसके पीछे व्यक्तिगत रंजश, अपराधिक गिरोहों की गतिविधि, धमकी, वसूली या कोई अन्य कारण है या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। लेकिन इतना तथ्य है कि ऐसी घटनाओं को हल्के में लेने की गुंजाइश नहीं है। समय रहते अपराधियों की पहचान, उनके नेटवर्क का खुलासा और हथियारों की उपलब्धता के स्रोत तक पहुँचना जरूरी है। यदि घटना के पीछे संगठित अपराध का हाथ निकलता है, तो कार्रवाई केवल गोली चलाने वालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बढनी चाहिए। मुंबई पुलिस देश के सबसे अनुभवी पुलिस बलों में गिनी जाती है। शहर की आबादी, आर्थिक गतिविधियों और संवेदनशील प्रतिस्पर्धों को देखते हुए यहां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसे में पुलिस के सामने चुनौती केवल घटना के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने की नहीं, बल्कि भविष्य में इस तरह की वारंदातों को रोकने की भी है। जांच एजेंसियों को घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, इस्तेमाल किए गए हथियारों और हमलावरों के आने-जाने के रपतों की पड़ताल करना चाहिए। गोलीबारी के पीछे की मंशा का पता लगाना भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

सौरभ वार्पण्य

लाल हिट जनता पार्टी' के प्रमुख और संयोजक अयान भटनागर के बयानों के मुताबिक, इस संगठन का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि सीजेपी और उसके विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना है। उनका दावा है कि संगठन भविष्य की रणनीति तैयार करेगा और विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े समूहों के माध्यम से अपनी बात रखेगा। उन्होंने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती भी दी है। उनके अनुसार, यदि विरोध करने वाले अपने विचारों को लेकर आश्वस्त हैं, तो उन्हें सार्वजनिक चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम केवल दो संगठनों के बीच टकराव की कहानी नहीं है। इसके पीछे लोकतांत्रिक विरोध, राजनीतिक लामबंदी, जनमत निर्माण और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न मौजूद हैं। किसी संगठन का विरोध करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन उस विरोध की वैधता और प्रभाव का आकलन उसके नारों से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्यों, तथ्यों और तरीकों से किया जाना चाहिए।लोकतंत्र में असहमति को दबाने के बजाय उसे सुनना और समझना आवश्यक है। किसी सरकारी संस्था, संवैधानिक पदाधिकारी या राजनीतिक दल के फैसलों से असहमति होने पर नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन प्रारंभ, अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अधिकार प्राप्त है। इसी तरह, किसी प्रदर्शन से असहमत नागरिकों को भी अपनी राय व्यक्त करने तथा उसके विरोध में शांतिपूर्ण अभियान चलाने का अधिकार है।इस दृष्टि से लाल हिट जनता पार्टी' का सामने आना विरोध की राजनीति के जवाब में एक दूसरे विचार के उभरने के रूप में देखा जा सकता है। यदि एक समूह किसी संवैधानिक पदाधिकारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है, तो दूसरे समूह को उस प्रदर्शन की आलोचना करने से रोकना नहीं जा सकता। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति इसी बहुलता में निहित है, जहां अलग-अलग विचारों को सामने आने का अवसर मिलता है।लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वैचारिक असहमति व्यक्तिगत आरोपों, अपमानजनक भाषा और एक-दूसरे को समाप्त करने की राजनीतिक मानसिकता में बदल जाती है।

लोकतंत्र में किसी विचार का मुकाबला बेहतर तर्क से होना चाहिए, न कि केवल तीखे नारों और उत्तेजक नामों से। किसी संगठन की लोकप्रियता का वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि वह जनता के सामने कौन-से तथ्य रखता है और जनहित के सवालों पर उसका दृष्टिकोण कितना स्पष्ट है।मीडिया रिपोर्टों में सीजेपी से जुड़े लोगों पर अराजकता फैलाने और विदेशी फंडिंग प्राप्त करने जैसे आरोप लगाए जाने की बात सामने आई है। इन आरोपों को गंभीरता से देखा जा सकता है, लेकिन किसी भी आरोप को प्रमाण के बिना स्थापित तथ्य मान लेना उचित नहीं होगा। यदि किसी संगठन की गतिविधियों, वित्तीय स्रोतों या प्रदर्शन के दौरान उसके आवरण की लेकर संदेह है, तो संबंधित तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी



चाहिए।लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता सभी संगठनों के लिए आवश्यक है। जो संगठन जनता के नाम पर आंदोलन करते हैं, उनसे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे अपने उद्देश्यों, नेतृत्व, वित्तीय संसाधनों और गतिविधियों के संबंध में जवाबदेह रहें। लेकिन यही कसौटी उन संगठनों पर भी लागू होनी चाहिए जो विरोध प्रदर्शनों का प्रतिरोध करने के लिए सामने आते हैं।एक पक्ष पर लगाए गए आरोपों को दूसरे पक्ष की स्वतः निर्दोषता का प्रमाण नहीं माना जा सकता।कानून का शासन इसी सिद्धांत पर आधारित है कि जांच तथ्यों के आधार पर हो, न कि राजनीतिक पसंद और नापसंद के आधार पर। यदि किसी संगठन को लेकर गंभीर शिकायत है, तो सक्षम संस्थाओं को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। आरोपों के आधार पर किसी समूह को दोषी घोषित करना न्यायपूर्ण लोकतंत्र की भावना के विपरीत है।अयान भटनागर ने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती दी है। यह पहल अपने आप में महत्वपूर्ण हो सकती है, बशर्तें बहस का उद्देश्य केवल एक-दूसरे को नीचा दिखाना न होकर जनता के सामने तथ्यों को स्पष्ट करना हो। लोकतंत्र में सार्वजनिक संवाद की संस्कृति कमजोर पड़ने का एक बड़ा कारण यह है कि राजनीतिक और वैचारिक समूह अक्सर विरोधी विचारों को सुनने के बजाय उन्हें पूरी तरह खारिज करने लगते हैं।यदि सीजेपी और लाल हिट जनता पार्टी' के प्रतिनिधि किसी सार्वजनिक मंच पर आमने-सामने बैठकर अपने विचार रखते हैं, तो जनता को दोनों पक्षों के तर्क समझने का अवसर मिल सकता है। ऐसी बहस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध के कारण, प्रदर्शन की वैधता, निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवाल, राजनीतिक दलों की भूमिका और सार्वजनिक व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे विषय शामिल किए जा सकते हैं।हालांकि, बहस केवल चुनौती देने से सफल नहीं होती। इसके लिए तथ्यात्मक तैयारी, संयमित भाषा और विरोधी पक्ष को सुनने की इच्छाशक्ति

भी आवश्यक है। यदि दोनों समूह पहले से तय निष्कर्षों के साथ मंच पर आते हैं और केवल आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, तो उससे राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है। इसके विपरीत, प्रमाणों और तर्कों पर आधारित संवाद लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है।अयान भटनागर ने यह भी दावा किया है कि प्रदर्शनों के कारण कारोबारियों का धंधा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ कथित बदसलूकी का मुद्दा भी उठाया। इन शिकायतों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है, लेकिन व्यापक सिद्धांत स्पष्ट है कि किसी भी आंदोलन के दौरान आम नागरिकों के अधिकारों और सार्वजनिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए।बाजारों में काम करने वाले व्यापारी, दैनिक मजदूरी करने वाले श्रमिक, कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, मरीज और विद्यार्थी किसी भी राजनीतिक विवाद के प्रत्यक्ष पक्षकार नहीं होते। यदि विरोध प्रदर्शनों के कारण यातायात बाधित होता है, दुकानों का कारोबार प्रभावित होता है या लोगों को आवश्यक सेवाओं तक पहुँचने में कठिनाई होती है, तो इसका समाधान निकालना जरूरी है।इसका अर्थ यह नहीं कि कारोबार या यातायात में असुविधा का हवाला देकर हर प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाए। शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन प्रदर्शनों के लिए उचित स्थान, समय और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे तथा आयोजक कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखे। पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की कोई घटना होती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इसी प्रकार, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की रक्षा करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।अयान भटनागर का यह कहना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक फोन कर दें तो बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर आ सकते हैं, राजनीतिक लामबंदी की संभावनाओं की ओर संकेत करता है। लेकिन किसी

उम्र में छोटों से फासला रखिये

आज समाज जिस मोड़ पर खड़ा है, वह बहुत ही चिंताजनक है। हमने तकनीक को तो अपना लिया, लेकिन तकनीक के साथ आने वाली मर्यादा को भुला दिया। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म ने दुनिया को जोड़ा तो जरूर है, लेकिन साथ ही साथ उम्र, ओहदे और अनुभव के सारे फासले मिटा दिए हैं। आज पंद्रह साल का बच्चा पचास साल के आदमी को फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज रहा है, इंस्टाग्राम पर टैग कर रहा है, व्हाट्सएप ग्रुप में जोक भेज रहा है। और बड़ा आदमी खुद को आधुनिक और कूल दिखाने के चक्कर में उसे स्वीकार भी कर रहा है। देखने में यह दोस्ती लगती है, लेकिन यह दोस्ती नहीं, यह आने वाले समय के लिए एक बहुत बड़ा घात है।

नरेंद्र भारती

ओहदे का ख्याल रखो, उम्र का लिहाज करो, चरित्र देखो, शिक्षा देखो तभी दोस्त बनाओ, छोटे उम्र वालों से दूरी बनाकर रखो। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप पर छोटे-बड़े दोस्त बन रहे हैं, यह बहुत ही घातक होगा। आजकल उठाबाजी हो रही है, अश्लील बातें हो रही हैं, यह बहुत ही गलत है, गलत पार्टियाँ हो रही हैं। हमारे बच्चों ने हमेशा एक बात कही है कि मर्यादा में ही समाज टिकता है। पहले घर में, परिवार में, गांव में, मोहल्ले में हर रिश्ते की एक मर्यादा होती थी। पिता और पुत्र के बीच की मर्यादा, गुरु और शिष्य के बीच की मर्यादा, बड़े भाई और छोटे भाई के बीच की मर्यादा। यह मर्यादा डर से नहीं, संस्कार से आती थी। बड़ा जब बोलता था तो छोटा सुनता था। बड़े के आने पर छोटा खड़ा हो जाता था। पिता के सामने पैर फैलाकर नहीं बैठ जाता था। शिक्षक के सामने सिर झुकाकर बात की जाती थी। यह सब दिखावा नहीं था, यह तहजीब थी।

आज वह तहजीब कहीं है? आज का छोटा बच्चा अपने पिता के साथ बैठकर शराब की पार्टी की बातें कर रहा है। गुरु को ही जान दे रहा है। यह सब क्यों हो रहा है? क्योंकि हमने फासला मिटा दिया है। हमने यह मान लिया है कि सब बराबर हैं। लेकिन सच यह है कि सब बराबर नहीं हैं। उम्र में, तजुबे में, ओहदे में फर्क होता है और यह फर्क रहना ही चाहिए।

ओहदे का ख्याल रखो हर व्यक्ति का समाज में एक ओहदा होता है। ओहदा यानी आपका पद, आपकी जिम्मेदारी, आपकी सामाजिक स्थिति। आप एक अधिकारी हैं,

आप एक शिक्षक हैं, आप एक व्यापारी हैं, आप एक परिवार के मुखिया हैं, आप एक वरिष्ठ नागरिक हैं। आपका ओहदा आपको तपस्या से बना है। आपने वर्षों मेहनत करके यह इज्जत कमाई है।

जब आप अपने ओहदे का ख्याल नहीं रखते और हर किसी को, खासकर उम्र में बहुत छोटे लोगों को, अपने बराबर में बिठा लेते हैं, तो आप खुद ही अपने ओहदे को छोटा कर देते हैं। लोग आपका मूल्यांकन आपके दोस्तों से करते हैं। अगर आपकी फ्रेंडलिस्ट में सिर्फ आवाय, नशा करने वाले, गाली-गलौज करने वाले छोटे बच्चे भरें हैं, तो समाज में आपकी इज्जत क्या रहेगी? लोग कहेंगे कि इसका कोई स्तर ही नहीं है। इसका कोई स्टैंडर्ड ही नहीं है। एक उदाहरण देखिए। एक स्कूल का प्रिंसिपल है। अगर वह अपने स्कूल के दसवों के बच्चों के साथ ओहदाग्राम पर अश्लील गील बनाता है, गंदे मजाक करता है, तो क्या अगले दिन वह स्कूल में अनुशासन ला पाएगा? क्या वही बच्चे उसकी बात मानेंगे? नहीं मानेंगे। क्योंकि उसने खुद ही अपना ओहदा गिरा दिया। ओहदा दूरी मांगता है। ओहदा गंभीरता मांगता है। हर किसी को अपने घर के अंदर, अपने दिल के अंदर मत घुसने दीजिए। आपकी फेसबुक प्रोफाइल आपका घर है। वहाँ हर किसी को मत घुसाइये।

उम्र का लिहाज करो उम्र सिर्फ जन्म प्रमाण पत्र पर लिखी तारीख नहीं है। उम्र एक विश्वप्रमाण है। पचास साल के व्यक्ति ने पचास बार होली देखी है, पचास बार दिवाली देखी है। उसने जीवन में उतार-चढ़ाव देखे हैं। उसने लोगों के धोखे देखे हैं, उसने मेहनत करके घर बनाया है, उसने बच्चों को पाला है। पंद्रह साल के

बच्चे ने क्या देखा है? उसने सिर्फ मोबाइल की स्क्रीन देखी है, यूट्यूब की वीडियो देखी हैं।

हमारी संस्कृति में उम्र का लिहाज सबसे बड़ा धर्म माना गया है। जब तक उम्र का लिहाज था, तब तक परिवार टूटते नहीं थे। आज परिवार क्यों टूट रहे हैं? क्योंकि छोटे को लगता है कि मैं बड़े के बराबर हूँ। वह बड़े को सलाह देने लगता है। वह गुरूल पर दे लाइन पढ़कर अपने पिता को, अपने चाचा को जान देने लगता है। और जब बड़ा उसे समझाने की कोशिश करता है तो वह कहता है - आप ओल्ड फैशन हो, आपको कुछ नहीं पता। यह बदतमीजी कहीं से आई? यह सोशल मीडिया की बराबरी वाली दोस्ती से आई। जब आपने उसे दोस्त बनाया, तो दोस्ती में तो बराबरी होती है। फिर वह आपका लिहाज क्यों करेगा? दोस्त तो मजाक करते हैं। दोस्त तो गाली भी दे देते हैं। आपने खुद ही उसे यह अधिकार दे दिया।

चरित्र देखो, शिक्षा देखो, तभी दोस्त बनाओ दोस्त बनाना सबसे बड़ी जिम्मेदारी का काम है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि व्यक्ति की पहचान उसके दोस्तों से होती है। संगत का असर सबसे ज्यादा होता है। अगर आपकी संगत अच्छी है तो आप अच्छे रहेंगे, अगर सभकी संगत बुरी है तो आप कितने भी अच्छे हों, आप बुरे बन जाएंगे। आजकल दोस्ती कैसे हो रही है? एक सुंदर फोटो देखी और फ्रेंडरिक्वेस्ट भेज दी। एक लड़की ने लाइक कर दिया तो दोस्त बन गए। क्या आपने उसका चरित्र देखा? क्या आपने उसकी शिक्षा देखी? शिक्षा से मतलब सिर्फ बोर्ड, एग्जम की डिग्री नहीं। शिक्षा से मतलब संस्कारों की शिक्षा, बोलने की तमीज, रहने का तरीका। बिना सोच-

समझे दोस्त बनाने का नतीजा क्या हो रहा है? उठाबाजी। आजकल यह बहुत आम हो गया है। उम्र में छोटे लड़के बड़े लोगों को फंसाते हैं। पहले मीठी-मीठी बातें करेंगे, भैया-भैया, अंकल-अंकल कहेंगे। फिर धीरे-धीरे पैसों की मांग शुरू होगी। मेरा फोन खराब हो गया है, मेरा रिचार्ज खत्म हो गया है, मुझे थोड़े पैसे उधार दे दो। बड़ा आदमी तर्स खाकर दे देता है और फिर वह पैसा कभी वापस नहीं आता। यह उठाबाजी इसी गलत दोस्ती की वजह से बढ़ी है। दूसरा बड़ा नुकसान है अश्लीलता। सोशल मीडिया पर अश्लील बातों की बाढ़ आई हुई है। छोटे-छोटे बच्चे, जिनकी मूँछ भी नहीं आई, वे ऐसी-ऐसी अश्लील बातें, ऐसे-ऐसे गंदे जोक और वीडियो शेयर कर रहे हैं जिसे देखकर शर्म आती है। और दुख की बात यह है कि बड़े लोग उन पर हंस रहे हैं, वाह-वाह कर रहे हैं। जब आप एक छोटे बच्चे की अश्लील बात पर हंसते हैं, तो आप उसे बढ़ावा देते हैं। आप उसे कहते हैं कि ओर करो। यही बच्चा कल आपके घर में, आपकी बेटी के सामने वही बात कहेगा। तब आपको शास्त्र कहते हैं कि त्यक्ता की पहचान उसके दिखावा। इंस्टाग्राम पर हर कोई अमीर दिखना चाहता है। छोटे बच्चे बड़े लोगों की पार्टियाँ देखते हैं, उनके होंगे शोक देखते हैं और उन्हें लगता है कि जीवन यही है। वे पढ़ाई छोड़ देते हैं, अपने माता-पिता से झूठ बोलकर पैसे मांगते हैं, गलत रास्ते पर चले जाते हैं। नशा, शराब, ये सब इसी दिखावे की दुनिया की देन है।

घमंड और बदतमीजी का चक्र हम मोनोवर्गानिक सच है कि जब आप किसी को उसकी ओपक से ज्यादा सम्मान दे देते हैं, तो

उसके अंदर घमंड आ जाता है। उम्र में छोटे बच्चों के साथ यही हो रहा है। आपने उसे अपने बराबर बनाया, आपने उसके साथ हंसी-मजाक किया, आपने उसे अपनी निजी बातें बताईं। अब उस बच्चे के मन में क्या आएगा? वह सोचेगा कि मैं भी बहुत बड़ा आदमी बन गया हूँ। देखो, इतने बड़े-बड़े लोग मेरे दोस्त हैं। यह घमंड ही बदतमीजी की जड़ है। पहले वह छोटा-मोटा मजाक करेगा। आप उसे नजरअंदाज कर देंगे। फिर वह आपके काम में टांग अड़ाएगा, आपको सबके सामने ठेकेगा। आप फिर भी चुप रहेंगे कि बच्चा है। और फिर एक दिन वह हद पार कर देगा। वह आपसे बदतमीजी से बात करेगा, गाली-गलौज तक पर उतर आएगा। तब आपको गुस्सा आएगा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। आप ही ने उसे सिर पर चढ़ाया है। इसलिए कहा जाता है कि अति हर चीज की बुरी होती है। ज्यादा घुलना-मिलना भी बुरा होता है। थोड़ा फासला, थोड़ी दूरी हमेशा बनी रहनी चाहिए।

अंत में क्या करें? इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप छोटों से नफरत करें, उन्हें दुकारें। इसका मतलब है कि रिश्ते की मर्यादा बनाए रखें। हाइडेंटों से प्यार कीजिए, लेकिन उन्हें खूट मत दीजिए। उन्हें आशीर्वाद दीजिए, लेकिन बराबरी मत दीजिए। उनका मार्गदर्शन कीजिए, उनके गुरु बनिएं, लेकिन हर बात में हां मत भरिए। अपनी सोशल मीडिया को साफ कीजिए। फेसबुक की फ्रेंड लिस्ट से ऐसे लोगों को निकाल दीजिए जो आपके स्तर के नहीं हैं।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को नमन, परिजनों से मिले एसपी

अनूपपुर पुलिस लाइन में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

शस्त्र सलामी देकर वीर जवानों के बलिदान को किया याद

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्र)। देश की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा और जनसेवा के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों की स्मृति में बुधवार को अनूपपुर पुलिस लाइन मैदान में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों और शहीद जवानों के परिजनों ने शामिल होकर वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र चढ़ाकर उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को नमन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत पुलिस स्मृति दिवस परेड के साथ हुई। परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक ज्योति दुबे ने किया। पुलिस जवानों ने अनुशासन के साथ परेड में हिस्सा लिया और शहीदों के सम्मान में शस्त्र सलामी दी इस दौरान पूरा परिसर श्रद्धा और



सम्मान के भाव से ओतप्रोत रहा शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम होमगार्ड सेनानी सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र एवं श्रद्धासुमन अर्पित किए। शहीद जवानों के परिजन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी ने देश

और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों के योगदान को याद किया अधिकारियों ने कहा कि पुलिसकर्मों के परिवारों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब सहित अन्य अधिकारियों ने परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान सम्मान और सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा शहीदों का बलिदान पुलिस बल के लिए

साथ अपने दायित्व निभाने की प्रेरणा देता है शहीद परिवारों से मिलकर जाना कुशलक्षेम कार्यक्रम में जिले के शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों को उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने की प्रतिबद्धता भी जताई कार्यक्रम का उद्देश्य शहीदों के बलिदान को याद करने के साथ उनके परिवारों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा शहीदों का बलिदान पुलिस बल के लिए



परिवारों के प्रति सम्मान और कुलुत्ता व्यक्त करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि पुलिस विभाग उनके साथ खड़ा है अधिकारियों ने परिवारों की देखभाल और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने की प्रतिबद्धता भी जताई कार्यक्रम का उद्देश्य शहीदों के बलिदान को याद करने के साथ उनके परिवारों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा शहीदों का बलिदान पुलिस बल के लिए

प्रेरणा : एसपी पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने कहा कि कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर जवानों का साहस और समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों और पूरे पुलिस बल के लिए प्रेरणास्रोत है उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवारों का सम्मान करना उनकी देखभाल करना और जहरूत के समय सहयोग देना पुलिस विभाग का नैतिक दायित्व है।

राशन कार्डधारियों के लिए जरूरी सूचना : 30 अक्टूबर तक कराएं ई-केवाईसी, शेष सदस्यों का भी होगा सत्यापन

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन कार्डधारी हितग्राहियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है जिले के सभी राशन कार्डधारियों को अपने राशन कार्ड में पंजीकृत सदस्यों का ई-केवाईसी पूर्ण कराने तथा जिन सदस्यों का ई-केवाईसी अभी तक नहीं हुआ है, उनका आवश्यक सत्यापन कराने की अपील की गई है खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय नवा रायपुर के निर्देशानुसार जिले में यह पूरी प्रक्रिया 30 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण कराई जानी है जिला खाद्य शाखा ने सभी राशन कार्डधारी परिवारों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कराएं इसके लिए हितग्राही अपनी शासकीय उचित मूल्य की दुकान में स्थापित e-POS मशीन के माध्यम से ई-केवाईसी कर सकते हैं। इसके अलावा भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए मेग ई-केवाईसी मोबाइल ऐप का उपयोग करके भी यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है ई-केवाईसी नहीं

कराने वाले सदस्यों का होगा सत्यापन जिन राशन कार्ड सदस्यों का ई-केवाईसी अब तक पूरा नहीं हुआ है, उनके संबंध में खाद्य अधिकारी मांड्यूल में प्रदर्शित जानकारी के आधार पर आवश्यक सत्यापन कराया जाएगा। इसके लिए स्थानीय जनपदों एवं नगरीय निकायों के विहित प्राधिकारी अथवा अधिकृत सत्यापनकर्ता के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी सत्यापन के दौरान यदि संबंधित सदस्य मौजूद नहीं पाए जाते हैं तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी उचित मूल्य दुकान संचालकों को भी दिए गए निर्देश खाद्य शाखा ने जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालकों एवं विक्रेताओं से अपेक्षा की है कि वे राशन कार्डधारी परिवारों को ई-केवाईसी की प्रक्रिया और इसकी निर्धारित समय-सीमा के बारे में जानकारी दें साथ ही जिन सदस्यों का ई-केवाईसी शेष है उन्हें समय पर प्रक्रिया पूरी कराने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि किसी भी पात्र हितग्राही का सत्यापन निर्धारित अवधि में लंबित न रहे।

सफलता की कहानी: सेवा सेतु से महज तीन दिन में मिला पुत्री सीता चेरवा का आय प्रमाण पत्र

त्वरित और सहज शासकीय सेवा से खुश हुआ परिवार

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु पहल आम नागरिकों तक शासकीय सेवाओं को सरल, सहज और समयबद्ध तरीके से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है इस पहल से लोगों को आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा मिल रही है इसी का उदाहरण हैं कलावती जिन्होंने

अपनी पुत्री सीता चेरवा के लिए आय प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन किया और मात्र तीन दिनों के भीतर उन्हें यह आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हो गया तीन दिन में पूरी हुई प्रक्रिया, परिवार को मिली राहत कलावती ने अपनी पुत्री सीता चेरवा के आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था सेवा सेतु के माध्यम से

आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद महज तीन दिनों में आय प्रमाण पत्र उपलब्ध हो गया। इन्ने कम समय में आवश्यक दस्तावेज मिलने से परिवार को राहत मिली और उनके जरूरी कार्य को पूरा करने में सुविधा हुई आवश्यक शासकीय सेवाओं तक पहुंचे हुई आसान आय प्रमाण पत्र शिक्षा, छत्रवृत्ति और विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है ऐसे में समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध होना नागरिकों के लिए काफी उपयोगी साबित होता है सेवा सेतु के माध्यम से शासकीय सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने तथा नागरिकों को निर्धारित समय में सुविधाएं उपलब्ध करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं इससे लोगों

का समय बचता है और शासकीय व्यवस्था के प्रति विश्वास भी मजबूत होता है त्वरित सेवा के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार अपनी पुत्री का आय प्रमाण पत्र मात्र तीन दिनों में प्राप्त होने पर कलावती के परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त की। परिवार ने इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। सेवा सेतु के माध्यम से मिली यह सुविधा शासन की जनहितकारी सोच और आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के संकल्प को दर्शाती है सेवा सेतु की यह पहल सेवा से समाधान तक की भावना को साकार करते हुए शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम है।

शिवपुरी में रातभर गूंजे माता के जयकारे, डीजे की धुन पर झूमे युवा

माधव चौक से निकलीं आकर्षक झांकियां, अमोला पुल पर सुबह तक चला प्रतिमा विसर्जन बेहोश युवक को साथियों ने बचाया

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। विजयादशमी के अवसर पर शिवपुरी शहर में 20 अक्टूबर को माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन धूमधाम से किया गया नवदुर्गा सांस्कृतिक समारोह मंडल के आयोजन में माधव चौक से आकर्षक झांकियां निकाली गई भव्य मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए और झांकियों के साथ पहुंचीं माता की प्रतिमाओं का आयोजन समिति ने सम्मान किया देर रात तक शहर में उत्सव का माहौल बना रहा डीजे और ढोल की धुन पर युवा माता के भजनों पर झूमते रहे माधव चौक पर रातभर रही रौनक दशहरा आयोजन के लिए माधव चौक पर भव्य मंच सजाया गया था यहाँ विभिन्न झांकियों के साथ माता रानी की प्रतिमाएं पहुंचीं आयोजन समिति ने झांकियों का सम्मान किया शहर के साथ बाहर से आये डीजे और ढोल की धुनों ने उत्सव का रंग और बढ़ा दिया देर रात तक युवाओं ने माता के भजनों पर नृत्य किया अलग-अलग डीजे पर संगीत बजाने की होड़ भी देखने को



मिली। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही अमोला पुल पर सुबह तक हुआ विसर्जन बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला बुधवार सुबह तक अमोला पुल पर चलता रहा प्रतिमाओं के आकार और श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण यहां काफी देर तक गतिविधियां जारी रहीं इस दौरान व्यवस्थाओं को लेकर विसर्जन करने पहुंचे लोगों और पुलिस के बीच गहमा-गहमी की स्थिति भी बनी प्रतिमा विसर्जन के लिए बड़ी संख्या में लोग पुल के आसपास पहुंचे पानी में बेहोश हुआ युवक साथियों ने बचाया



अमोला पुल के नीचे पानी में ट्यूब पर बैठे कुछ युवक क्रेन का पट्टा निकाल रहे थे इसी दौरान एक युवक को चक्कर आया और वह बेहोश हो गया स्थिति बिगड़ते देख साथ मौजूद युवकों ने उसे संभाला और पानी में डुबने से बचाया इसके बाद युवक को पानी से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया जानकारी के अनुसार युवक की हालत सामान्य बनावे गई है धार्मिक उत्साह और उल्लास के बीच हुई इस घटना ने विसर्जन के दौरान सुरक्षा और सावधानी बरतने की जरूरत को भी सामने रखा।

पुलिस स्मृति दिवस पर 154 शहीद जवानों को नमन नर्मदापुरम पुलिस लाइन में

श्रद्धांजलि सभा, एसपी ने पढ़े शहीदों के नाम पुष्पचक्र अर्पित कर दी सलामी



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पुलिस लाइन में बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वर्ष 2025-26 के दौरान ड्यूटी निभाते हुए शहीद हुए देशभर के 154 पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा ने शहीद जवानों के नामों का वाचन किया। अधिकारियों और

कर्मचारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया फूलों से सजाया शहीद स्मारक कार्यक्रम के लिए पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक को फूलों से सजाया गया था। पुलिस जवानों ने अनुशासन के साथ सलामी देकर वीर शहीदों को याद किया। बैंड की धुन के बीच आयोजित श्रद्धांजलि सभा में देश की सुरक्षा

और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों के साहस और कर्तव्यनिष्ठा को याद किया गया वरिष्ठ अधिकारियों ने अर्पित किए पुष्पचक्र कार्यक्रम में आईजी चंद्रशेखर सोलंकी, डीआईजी बीरेंद्र सिंह, कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, एडीएम राजेश शुक्ला और एसपी अभिषेक राजन सहित पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एसडीओपी जितेंद्र पाठक, डीएसपी यातायात संतोष मिश्रा, रक्षित निरीक्षक नरेंद्र कुमार त्रिपाठी, यातायात थाना प्रभारी सुनीता पटेल सहित विभिन्न थानों के प्रभारी और पुलिसकर्मियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की कार्यक्रम के माध्यम से शहीद जवानों के बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने और कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया गया।



पत्नी और उसके दोस्त को बेल्ट से पीटा, वीडियो वायरल

भदैया कुंड पर हुआ विवाद, महिला की शिकायत पर पति के खिलाफ केस दर्ज

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के धार्मिक पर्यटन स्थल भदैया कुंड पर मंगलवार दोपहर एक महिला और उसके दोस्त के साथ मारपीट का मामला सामने आया है आरोप है कि महिला के पति ने अपने चचेरे भाई के साथ मिलकर दोनों को बेल्ट से पीटा घटना का वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया पुलिस ने महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है दोस्त के साथ घूमने पहुंची थी महिला जानकारी के अनुसार, पूजा मंगलवार को अपने दोस्त के साथ भदैया कुंड घूमने पहुंची थी इसी दौरान वहां उसका पति गोविंद मिल गया पत्नी को दूसरे युवक के साथ देखकर वह

नाराज हो गया। आरोप है कि इसके बाद गोविंद ने अपने चचेरे भाई के साथ मिलकर महिला के दोस्त के पैर बांध दिए और दोनों की बेल्ट से पिटाई कर दी। घटना के वीडियो में दो युवक महिला और उसके दोस्त को बेल्ट से मारते दिखाई दे रहे हैं सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और संबंधित लोगों को फिजिकल थाने ले गई विवाद के बाद मायके में रह रही थी महिला बताया गया है कि पति-पत्नी के बीच पहले से विवाद चल रहा था इसके चलते महिला कुछ दिनों से अपने मायके में रह रही थी मंगलवार को भदैया कुंड पर आमना-सामना होने के बाद विवाद बढ़ गया और मारपीट की घटना हुई।



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। रबी सीजन में गेहूं और चने की फसलों की सिंचाई के लिए नर्मदापुरम संभाग में नहरों से पानी

छोड़ने की तारीख तय कर दी गई है तवा डैम की बाईं तट मुख्य नहर से 25 अक्टूबर से पानी छोड़ा जाएगा इसके बाद अलग-अलग क्षेत्रों में

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाएगा बुधवार को संभागायुक्त श्रीकांत बनोट की

अध्यक्षता में आयोजित संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया बैठक में तय हुआ कि शुरुआत में हर्दा क्षेत्र के लिए पानी छोड़ा जाएगा इसके बाद 27 अक्टूबर से सिवनी मालवा क्षेत्र की रायगढ़, भिलाड़िया और मकड़ई नहरों में पानी पहुंचाया जाएगा वहीं 1 नवंबर से मिसरोद उपनहर और इटारसी संभाग की नहरों में पानी छोड़ा जाएगा सोहागपुर क्षेत्र के किसानों को 5 नवंबर से सिंचाई के लिए पानी मिलेगा किसानों तक तारीखों की जानकारी पहुंचाने के निर्देश संभागायुक्त श्रीकांत बनोट ही भर पाया है वर्तमान में डैम में 1705 एमसीएम पानी उपलब्ध है

पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि किसानों को समय पर जानकारी मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी कराने के साथ किसान संगठनों से समन्वय स्थापित कर निर्धारित तारीखों से अवगत कराने को कहा गया उन्होंने नहरों में पानी के बेहतर प्रबंधन और अंतिम छोर तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए 87 प्रतिशत भरा है तवा डैम विभाग के मुख्य अभियंता राजाराम मोना ने बैठक में बताया कि कम बारिश के कारण इस बार तवा डैम सिंहागपुर क्षेत्र के किसानों का 87 प्रतिशत ही भर पाया है वर्तमान में डैम में 1705 एमसीएम पानी उपलब्ध है

जिसमें से लगभग 1200 एमसीएम पानी सिंचाई के लिए उपलब्ध होगा नहरों की साफ-सफाई का काम भी लगातार कराया जा रहा है संभागायुक्त ने नहरों के प्रमुख स्थानों से लेकर डेल क्षेत्र तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा साथ ही नहरों के संवेदनशील बिंदुओं पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए बैठक में अधिकारी रहे मौजूद बैठक में डीआईजी बॉन्ड सिंह, कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, एसपी साई कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, संयुक्त आयुक्त विकास नवल मोना और मुख्य अभियंता राजाराम मोना सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बीना में दशहरे की रात ट्रक से टकराई बाइक

42 वर्षीय शिवप्रसाद भार्गव की जान गई, अस्पताल में मृत घोषित

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)।

बीना में दशहरे की रात दुर्गा प्रतिमाएं देखने जा रहे 42 वर्षीय शिवप्रसाद भार्गव की सड़क हादसे में मौत हो गई। खुरई रोड पर हिरनाछिया गांव के पास उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि शिवप्रसाद बाइक समेत ट्रक में फंस गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने ग्रामीणों की मदद से उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। हादसे के बाद मौके पर हलचल मच गई। समाजसेवी हन्नु राजपूत, नितिन और इंद्र कुशवाहा ने ग्रामीणों की मदद से शिवप्रसाद को ट्रक से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें ई-रिक्शा से सिविल अस्पताल बीना पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बीना में रहते थे, कंडक्टर का करते थे काम: शिवप्रसाद भार्गव मूल रूप से विदिशा जिले के चोपड़ा गांव के रहने वाले थे। वह बीना के नानक वाई में रहते थे और कंडक्टर का काम करते थे। उनके साले मनोहर तिवारी ने बताया कि शिवप्रसाद की कोई संतान नहीं थी। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसा सड़क किनारे खड़े ट्रक से बाइक टकराने के कारण हुआ। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

भावांतर योजना में सोयाबीन किसानों की पंजीयन अवधि 24 अक्टूबर तक बढ़ाई

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। राज्य शासन ने किसानों के व्यापक हित में ई-उपार्जन पोर्टल पर सोयाबीन के पंजीयन की अवधि 24 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। भारत सरकार की भावांतर योजना में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन की अवधि 3 से 17 अक्टूबर तक निर्धारित थी। इस संबंध में सभी कलेक्टरों को निर्देश दिये गये हैं। उन्हें पंजीकृत कृषकों का सत्यापन भी इस अवधि में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस स्मृति दिवस परेड का गरिमामय आयोजन

कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)।

पुलिस परेड ग्राउंड में पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया गया।इस अवसर पर देश में सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मनन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार अग्रवाल, कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश श्री महेश वर्मा, जिला रजिस्ट्रार श्री अरविंद सिंह, एसपी डॉ. प्रशांत चैबे सहित अनेक अधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक सीहोर, श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने पुलिस स्मृति दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 67 वर्ष पूर्व 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र हॉट स्पिंग में 16,000 फीट की ऊंचाई पर तैनात सी.आर.पी.एफ. की एक गश्ती टुकड़ी पर चीनी सेना ने घात लगाकर हमला किया था। सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे जवानों ने अदम्य साहस और शौर्य का परिचय देते हुए चीनी सेना का डटकर मुकाबला किया और अंतिम सांस तक अपनी पोस्ट नहीं छोड़ी। मातृभूमि की रक्षा में सी.आर.पी.एफ. के 10 शूरवीर जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। उन्हीं अमर बलिदानियों की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को देश भर में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। पुलिस अधीक्षक सीहोर श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने विगत एक वर्ष (1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक) की अवधि में संपूर्ण भारतवर्ष में कर्तव्य की वेदी पर शहीद हुए राज्य पुलिस बल, केंद्रीय पुलिस बल एवं अन्य पुलिस संगठनों के 154 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नामों का वाचन कर उन्हें नमन किया। इन अमर बलिदानियों में मध्यप्रदेश पुलिस के 09 वीर जवान भी शामिल हैं।

सीहोर में 4 दिन से बेमौसम बारिश:सोयाबीन की फसल पर संकट, किसानों की चिंता बढ़ी, अबतक 40.75 इंच बारिश

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसून की विदाई के बाद भी बारिश का दौर जारी है। पिछले चार दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश से मौसम में ठंडक बढ़ गई है। इस सीजन में अब तक 40.75 इंच बारिश दर्ज की गई है, जबकि 44 दिन बारिश वाले रहे। बेमौसम बारिश से खेतों में खड़ी सोयाबीन और अन्य पकी फसलों को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है।

शहर में पानी भरा, गांवों में भी रुक-रुककर बारिश: पिछले चार दिनों में दो दिन सीहोर शहर और आसपास के नगरीय क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई। इससे सड़कों पर पानी भर गया और तापमान में गिरावट से ठंडक महसूस होने लगी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगातार फुहारें और हल्की बारिश हो रही है।

घर में घुसकर दो भाइयों पर लाठी-डंडों से हमला

दोनों छतरपुर अस्पताल में भर्ती, 4 लोगों पर मारपीट का केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।

छतरपुर जिले के जुझारनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बजरंगपुर गांव में मंगलवार सुबह घर में घुसकर सो रहे दो सगे भाइयों पर लाठी-डंडों और फरसे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया गया। इस जानलेवा हमले में दोनों भाई लहलुहान होकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल जितेंद्र यादव (29) और उनके बड़े भाई अनैत यादव (32) ने बताया कि वे सुबह करीब साढ़े छह बजे अपने घर में सो रहे थे। उसी दौरान गांव के ही रहने वाले मनोज यादव, नरेंद्र यादव और दो महिलाओं ने अचानक घर के भीतर घुसकर उन पर धावा बोल दिया। आरोपियों ने सबसे पहले छोटे भाई जितेंद्र पर हमला किया, और जब बीच-बीच में दोनों भाइयों के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

हमले में दोनों भाइयों के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

● डायल 112 ने पहुंचाया अस्पताल

घटना के तुरंत बाद पीड़ितों ने डायल 112 पर फोन करके पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घायलों को तुरंत जुझारनगर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों की शिकायत पर जुझारनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल दोनों भाइयों का इलाज जारी है और पुलिस आरोपियों की तलाश के साथ मामले की गहराई से जांच कर रही है।

बुरहानपुर पुलिस ने 2 हथियार तस्करों को पकड़ा

एक नाबालिग भी शामिल, दो देसी पिस्टल और एक मोबाइल जब्त

30 हजार रुपए कीमत की देसी पिस्टल और 8 हजार रुपए का वीवो मोबाइल जब्त किया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया।

पूछताछ में पाचौरी के युवक का नाम बताया: पुलिस पूछताछ में दीपक ने बताया कि उसने हथियार पाचौरी के एक लड़के से लिया था। इसके बाद पुलिस ने 20 अक्टूबर को पांगरी फाटा से एक नाबालिग को पकड़ा। उसके पास से भी 30 हजार रुपए कीमत की देसी पिस्टल बरामद हुई। इस कार्रवाई में पुलिस ने कुल दो देसी पिस्टल और एक मोबाइल फोन जब्त किया है, जिनकी कुल कीमत 68 हजार रुपए बताई गई है। कार्रवाई में एसपी आशुतोष बागरी, एसपी प्रदीप शेण्डे, एसडीओपी वैभव प्रिय, सहायक उपनिरीक्षक तारक अली, पवन देशमुख, प्रधान आरक्षक सतीश सूर्यवंशी, संदीप सिंह सोलंकी, लालसिंग डाबर, आरक्षक खुमसिंह नावें, जितेंद्र देवले, जितेंद्र चौहान, अर्जुन कसुमारी और अजय अहिरवार की भूमिका रही।

हजार रुपए बताई गई है।

खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव को सूचना मिली थी कि लालबाग थाने का फरार आरोपी दीपक जमरे खकनार खुर्द में पकड़ा है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो देसी पिस्टल और एक मोबाइल फोन जब्त किया है। जब सामान की कुल कीमत 68 हजार रुपए बताई गई है।

स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के पंजीयन में तेजी लाएं, लक्ष्य के अनुरूप करें कार्य - कलेक्टर बालागुरू के.

कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर पंजीयन कार्य की प्रगति का लिया जायजा, अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग के लिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर स्वामित्व अधिकार योजना के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के पंजीयन के लिए पटवारियों द्वारा की जा रही कार्यवाही का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम पंचायत, ग्राम सारंगखेड़ी, ग्राम तकीपुर सहित अन्य गांवों का भ्रमण कर पंजीयन कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि स्वामित्व अधिकार योजना शासन की प्राथमिकता वाली महत्वपूर्ण योजना है। योजना के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के पंजीयन की कार्यवाही पूर्ण होने से संबंधित स्वामित्वधारियों के विभिन्न उपयोगों के लिए लाभ मिलेगा। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी इस कार्य को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पंजीयन सुनिश्चित करें। पंजीयन की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि पंजीयन कार्य के दौरान यदि किसी प्रकार की समस्या या तकनीकी कठिनाई सामने आती है, तो उसका तत्काल निराकरण किया जाए।

यदि समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर संभव नहीं हो, तो तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त किया जाए, ताकि पंजीयन का कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी

आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए तेजी से पंजीयन का कार्य किया जाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने जिले के सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के पंजीयन कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें।

वे अपने क्षेत्र में पंजीयन की प्रगति की निरंतर समीक्षा करें तथा जिन ग्रामों में कार्य की गति अपेक्षाकृत धीमी है, वहां विशेष ध्यान देकर कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मैदानी अमले को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराते हुए पंजीयन कार्य को प्राथमिकता से पूरा कराया जाए।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि स्वामित्व अधिकार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति संबंधी अभिलेखों को व्यवस्थित करने और स्वामित्वधारियों को उनके अधिकारों का लाभ उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए पंजीयन की प्रगति सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री तन्मय वर्मा भी उपस्थित थे।

● मौसम में नमी से बन रहे बारिश के हालात

मौसम में बदलाव के पीछे सक्रिय वेदर सिस्टम और चक्रवात का असर बताया जा रहा है। हवा का रुख बदलने और दक्षिण-पूर्वी हवाओं के सक्रिय होने से वातावरण में नमी बढ़ी है। इसके चलते सीहोर सहित प्रदेश के कई जिलों में बादल छाने और गरज-चमक के साथ बारिश होने का दौर जारी है।

● अगले 24 से 48 घंटे बाद मौसम साफ होने की उम्मीद

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, सीहोर और आसपास के क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक बादल और बारिश का असर बना रह सकता है। हालांकि, अगले 24 से 48 घंटे बाद मौसम साफ होने और धूप निकलने की उम्मीद है। इससे तापमान में फिर से कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।

● किसानों को कटी फसल सुरक्षित रखने की सलाह

बेमौसम बारिश से सोयाबीन और अन्य पकी फसलों को नुकसान की आशंका है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि खेतों में कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें या अच्छी तरह ढक दें।

हरद में खंभे पर तार डालते समय करंट लगा:42 साल के व्यक्ति की मौत, शरीर का आधा हिस्सा झुलसा

मीडिया ऑडीटर, हरद (निप्र)।

हरद जिले के सिराली थाना क्षेत्र के ग्राम खुदिया में बुधवार सुबह करीब 5 बजे करंट लगने से 42 वर्षीय मुकेश पाटिल की मौत हो गई। वे अपने खेत में बिजली कनेक्शन के लिए पास से गुजर रही 11 केवी की लाइन से तार डाल रहे थे। इसी दौरान वे हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गए। हादसे में उनका आधा शरीर झुलस गया और वे नीचे गिर गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सिराली थाना प्रभारी सीताराम पटेल के मुताबिक, मृतक की पहचान ग्राम खुदिया निवासी मुकेश पिता गंगाधर पाटिल (42) के रूप में हुई है। वे खेत में बिजली के लिए सीढ़ी लगाकर 11 केवी की लाइन पर तार डाल रहे थे। इसी दौरान करंट लगने से हादसा हो गया। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए खिरकिया भेजा है। थाना प्रभारी के अनुसार, शुरुआती जानकारी में तार डालने के दौरान मुकेश की लापरवाही सामने आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुकेश के परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है।

15 से 20 बदमाशों ने तीन लोगों को मारे लात-घूंसे

मंदसौर में इंडिगेटर नहीं देने पर भड़के बाइक सवार, कार सवार दो घायलों को आए सात-सात टांके

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।

मंदसौर शहर के अफीम गोदाम रोड पर मंगलवार रात करीब 12 बजे कार सवार तीन दोस्तों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है।

आरोप है कि बाइक सवार 2 युवकों से कहासुनी के बाद 15 से 20 लोग मौके पर पहुंचे। जिनमें से कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया। घटना में तीनों दोस्त घायल हो गए।

राकेश पाटीदार के सिर में करीब 10 और राहुल मीणा के सिर में 7 टांके आए हैं। दोनों को जिला अस्पताल के मेडिकल वार्ड में भर्ती कराया गया है। जबकि तीसरे दोस्त अजय ग्वाला को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

इंडिकेटर न देने पर हुआ था विवाद: राकेश पाटीदार (32), निवासी ग्राम अघोरिया, राहुल मीणा (24), निवासी रामटेकरी-जमींदार कॉलोनी और अजय ग्वाला, निवासी अभिनंदन नगर, तीनों दोस्त हैं। मंगलवार रात वे कार से अफीम गोदाम रोड पर पिज्जा खाने गए थे।

ट्रैफिक बढ़ने पर राकेश ने कार

साइड में खड़ी की। इसी दौरान दो बाइक सवार युवकों ने उनसे इंडिकेटर दिए बिना गाड़ी साइड में लेने की बात कही। कार सवारों ने इंडिकेटर देने की बात कही, जिसके बाद कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई।

पीछे से हमला करने का आरोप: पीड़ितों के मुताबिक, विवाद के बाद बाइक सवार युवकों ने कुछ लोगों को मौके पर बुला लिया। कार से उतरते ही उन पर पीछे से हमला कर दिया गया। आरोप है कि मौके पर करीब 15 से 20 लोग थे, जिनमें से कुछ ने मारपीट की। राहुल ने बताया कि हमलावरों ने हाथों में मोटे कड़े पहन रखे थे, जिससे उनके सिर में चोट आई। उनके पास कुछ हथियार होने की बात भी कही गई है। तीनों घायल हमलावरों को पहचान नहीं सके। मारपीट में घायल अजय ही राकेश और राहुल को लहलुहान हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। सूचना पर पुलिस भी अस्पताल पहुंची और घायलों का मेडिकल कराया।

पेड़ पर मिला युवक का गला कटा शव छतरपुर में 10 फीट ऊपर था, नीचे खून से सना हसिया मिला

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।

छतरपुर जिले के लवकुशनगर के गुडकला गांव में मंगलवार देर शाम 35 साल के युवक का गला कटा शव पेड़ पर मिला। शव महुआ के पेड़ पर करीब 10 फीट की ऊंचाई पर था। पेड़ के नीचे खून से सना हसिया भी मिला। पुलिस युवक को अस्पताल लेकर पहुंची, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

खेत पर बने कुएं के पास अकेले रहता था युवक: मृतक की पहचान गुडकला निवासी शोभालाल कुशवाहा के रूप में हुई है। वह खेत पर बने कुएं के पास अकेले रहता था। लवकुशनगर थाना प्रभारी त्रिवेद त्रिवेदी को मंगलवार रात करीब 8 बजे घटना की जानकारी मिली।

पुलिस आत्महत्या की आशंका से कर रही जांच: टीआई त्रिवेद त्रिवेदी के मुताबिक, घटनास्थल पर खून से सना लोहे का हसिया मिला है। युवक के गले पर धातुर हथियार से चोट के निशान हैं। पुलिस परिस्थितियों के आधार पर आत्महत्या की आशंका को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि शोभालाल दो साल से मानसिक परेशानी का इलाज करा रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप गावित ने जीता गोल्ड, बेसिल के नाम सिल्वर

नागोया ,एजेसी। एशियन पैरा गेम्स की पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भारत ने एक और यादगार प्रदर्शन किया। दिलीप गावित (टी46 वर्ग) ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया, जबकि मोहम्मद बेसिल मोर्सिंगनाकाथी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। दिलीप गावित (टी46 कैटेगरी) ने 10.69 सेकंड के शानदार समय के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, बेसिल (टी47 कैटेगरी) ने 10.72 सेकंड का समय निकालकर सिल्वर मेडल जीता और इस स्पर्धा में एक नया 'गेम्स रिकॉर्ड' भी बनाया। इन दोनों खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 जैसा ही प्रदर्शन दोहराया, जहां दिलीप गावित ने मेंस 100 मीटर टी47 इवेंट में 'गेम्स रिकॉर्ड' के साथ गोल्ड मेडल जीता था, जबकि बेसिल मोर्सिंगनाकाथी ने सिल्वर मेडल हासिल करके भारत के लिए 1-2 की शानदार जीत पक्की की थी। इससे पहले, दिलीप गावित एशियन पैरा गेम्स 2022 में मेंस 400 मीटर टी47 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था, जो इन खेलों में भारत का ऐतिहासिक 100वां मेडल था। उन्होंने पेरिस 2024 पैरालिंपिक्स में भी पुरुषों की 400 मीटर टी47 स्पर्धा के फाइनल में पहुंचकर देश को गौरवान्वित किया। महाराष्ट्र के नासिक के पास स्थित तोरण डोंगरी नामक गांव में जन्मे दिलीप गावित एक साधारण किसान परिवार में पले-बढ़े। उनके जीवन में एक बड़ा मोड़ तब आया, जब 5-6 साल की उम्र में वे एक पेड़ से गिर गए, जिससे उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट लग गई। समय पर इलाज न मिल पाने के कारण, चोट वाली जगह पर गैंग्रीन हो गया, जिसके चलते उनके हाथ को कोहनी के नीचे से काटना पड़ा। इतने बड़े इंटके के बावजूद, गावित ने इसे अपने भविष्य पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने पैरा-एथलेटिक्स में अपना करियर बनाकर दौड़ने के अपने जुनून को पूरा किया। अपने गांव की धूल भरी सड़कों पर अभ्यास करते हुए, उनकी प्रतिभा को बाद में कोच वैजनाथ काले ने पहचाना, जिन्होंने उन्हें पेशेवर पैरा-एथलेटिक्स की राह दिखाई।

अमित मिश्रा दिल्ली कैपिटल्स के रिपन-बॉलिंग कोच नियुक्त

नई दिल्ली ,एजेसी। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के लिए भारत के पूर्व लेग-स्पिनर अमित मिश्रा को रिपन-बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के साथ, मिश्रा उसी फ्रेंचाइजी में एक नई भूमिका के साथ वापस लौटे हैं, जहां से उन्होंने अपने आईपीएल सफर की शुरुआत की थी। 43 वर्षीय मिश्रा ने सितंबर 2025 में क्रिकेट के सभी

प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और अब वह पहली बार इस लीग में कोचिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। बुधवार को फ्रेंचाइजी के सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में मिश्रा ने कहा, 'मैं खुद को 'दिग्गज' तो नहीं कहूंगा, लेकिन आईपीएल में मेरा प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। 'दिल्ली दिलवालों की है'। जब आईपीएल का पहला सीजन हुआ था, तब मैं डीसी का हिस्सा था। आज, जब मैं अपने कोचिंग करियर की शुरुआत कर रहा हूं, तो वह भी डीसी टीम के साथ ही है, इसलिए मैं बहुत खुश हूं। बाघ कभी अपना शिकार नहीं छोड़ता। दिल्ली मेरी धड़कन है। हम दिल्ली के फैस को वह खुशी देने की कोशिश करेंगे, जिसका वे इतने वर्षों से इंतजार कर रहे हैं। ' दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक कोई भी आईपीएल खिताब अपने नाम नहीं किया है। यह टीम बीते सीजन छठे पायदान पर रही थी। अमित मिश्रा ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत साल 2028 में की थी।

स्मृति मंधाना की कप्तानी में टीम इंडिया के दमदार प्रदर्शन को वेदा कृष्णमूर्ति ने सराहा

नई दिल्ली ,एजेसी। भारत की पूर्व बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली 3-0 की जीत के लिए टीम इंडिया की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि टीम का यह प्रदर्शन स्मृति मंधाना के पूर्णकालिक कप्तान के रूप में कार्यकाल की एक बेहतरीन शुरुआत है। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में लगातार तीन जीत दर्ज कीं और मंधाना की कप्तानी में टीम ने एक अच्छा मोमेंटम हासिल किया है। सीरीज के दौरान टीम इंडिया के खेलने के तरीके पर बात करते हुए वेदा ने ऑलराउंडर निकी प्रसाद की बहुमुखी प्रतिभा की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि निकी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग - तीनों क्षेत्रों में योगदान देने की क्षमता रखती है, जो आगामी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी कर रही भारतीय टीम के लिए काफी अहम है। 'जियोस्टार' पर बात करते हुए वेदा ने कहा, 'जब आप कोई सीरीज खेलते हैं, तो आप उस पर अपना दबदबा बनाना चाहते

हैं, और मुझे लगता है कि पूरी टीम इंडिया ने बिल्कुल ऐसा ही किया है। हम अक्सर एकतरफा या शानदार जीत की बात करते हैं, और पिछले दो मैच बिल्कुल ऐसे ही थे। पहले मैच में भले ही टीम को थोड़ी चुनौती मिली हो, लेकिन अंत में जीत फिर भी शानदार रही। एक मजबूत अंत हमेशा अहम होता है, और स्मृति मंधाना के पूर्णकालिक कप्तानी करियर के लिए यह एक अच्छी शुरुआत है। '

उन्होंने आगे कहा, 'यह जरूरी है कि आप एक खास तरह की क्रिकेट खेलें। भारत ने साफ तौर पर दिखा दिया है कि वह किस तरह से खेलना चाहते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यह एक अच्छी तैयारी है। तीन टी20 मैच हो चुके हैं और बड़े टूर्नामेंट से पहले अभी तीन और मैच बाकी हैं। पिछले दो टी20 वर्ल्ड कप भारत के पक्ष में नहीं रहे थे। इसी कारण चैंपियंस ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए इस भारतीय टीम पर दबाव होगा। '

सीरीज के अच्छे



निकी प्रसाद को बताया उपयोगी खिलाड़ी

नतीजों से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने टीम की युवा प्रतिभाओं की भी तारीफ की। उन्होंने खास तौर पर निकी प्रसाद का जिक्र किया, जिन्होंने इस सीरीज में डेब्यू किया। निकी की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि वह सिर्फ एक भूमिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि टीम को कई तरह के विकल्प देने की क्षमता रखती हैं। इसी वजह से उन्हें काफी सराहना मिली। निकी की मध्य क्रम में खेलने, कुछ ओवर गेंदबाजी करने और फील्डिंग में योगदान

देने की क्षमता सबसे छोटे फॉर्मेट (टी20) में बहुत काम आ सकती है, जहां छोटे-छोटे योगदान भी मैच का रुख बदल सकते हैं। वेदा का मानना ​​​​?? है कि अपने डेब्यू मैच में इस युवा खिलाड़ी का संयम बनाए रखना भी एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने आगे कहा, 'वह टीम के लिए बहुत उपयोगी हैं क्योंकि उनमें बीच के ओवरों में गेंदबाजी करने की क्षमता है। वह नंबर पांच या छह पर बल्लेबाजी कर सकती हैं, और हमने देखा कि अपने डेब्यू मैच में दबाव के बावजूद उन्होंने खुद को बहुत अच्छे से संभाला।

मुंबई इंडियंस से जयवर्धने के जाने से जेम्स पैमेट हैरान

बोले-पोलार्ड हेड कोच के लिए सबसे अच्छा विकल्प

नई दिल्ली,एजेसी। मुंबई इंडियंस (एमआई) के पूर्व फील्डिंग कोच जेम्स पैमेट ने कहा कि वह इस बात से थोड़े हैरान हैं कि महेश जयवर्धने ने फ्रेंचाइजी के हेड कोच का पद छोड़ दिया है। उन्होंने इस भूमिका के लिए कौरोन पोलार्ड का समर्थन किया है। पिछले हफ्ते जयवर्धने ने एमआई के हेड कोच का पद छोड़ दिया था। इसके साथ ही पांच बार की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चैंपियन टीम के साथ उनका दूसरा कार्यकाल समाप्त हो गया। इससे पहले 2017 से 2022 तक अपने पहले कार्यकाल के दौरान, उन्होंने टीम को तीन खिताब जिताने थे। एमआई में 8 साल तक जयवर्धने के साथ काम करने वाले पैमेट ने कहा कि उन्हें इस बदलाव की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने 'आईएनएस' के साथ खास बातचीत करते हुए कहा, 'जब मैंने वीकेंड पर देखा कि महेश ने पद छोड़ने का फैसला किया है, तो मुझे सच में थोड़ा झटका लगा। मैंने महेश के साथ काम करते हुए कई साल बिताए और मुझे बहुत अच्छा लगा। '



'वह मुंबई इंडियंस को लेकर बहुत जुनून थे, और टीम के प्रदर्शन को लेकर भी उनका काफी जुनून था। वह खिलाड़ियों, खासकर भारतीय खिलाड़ियों को निखारने में बहुत दिलचस्पी लेते थे, ताकि वह आगे चलकर भारत के लिए अहम खिलाड़ी बन सकें। न्यूजीलैंड के इस दौर पर आए कई खिलाड़ी अब ऐसा ही कर रहे हैं। इसी कारण मुझे हैरानी हुई। अब मैं टीम के अंदर की बातों से पूरी तरह

अपने कोचिंग करियर की भी शुरुआत की। इसलिए उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। पैमेट ने कहा, 'सच कहूं तो, कौरोन पोलार्ड के अलावा मुझे नहीं लगता कि कोई और यह जिम्मेदारी संभाल सकता है। कई नामों की चर्चा हो रही है, लेकिन मेरी नजर में अगर कौरोन को लगता है कि वह इसके लिए तैयार हैं, तो मैं उन्हें ही यह जिम्मेदारी सौंपूंगा। मैंने (माइक) हसी और कुछ अन्य लोगों के बारे में सुना है, लेकिन वहां एक ऐसा व्यक्ति भी है जो पूरी तरह से मुंबई इंडियंस के रंग में रंगा हुआ है।' पैमेट ने आगे कहा, 'उन्होंने वहां से ही अपने कोचिंग करियर की शुरुआत की थी। अगर वह अपने आस-पास अच्छे लोगों को इकट्ठा कर सकें, तो मुझे लगता है कि खिलाड़ी उनका सम्मान करेंगे। उन्हें टी20 क्रिकेट, खासकर आईपीएल में खेलने का अच्छा अनुभव और जानकारी है। हालांकि, देखते हैं - हो सकता है कि मालिकों के मन में कुछ और ही चल रहा हो। '

आईसीसी ने अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2027 का शेड्यूल घोषित



दुबई ,एजेसी। बांग्लादेश और नेपाल में 21 जनवरी से 6 फरवरी तक खेले जाने वाले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2027 के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने

शेड्यूल घोषित कर दिया है। विश्व कप में सोलह टीमों हिस्सा ले रही हैं। बांग्लादेश के चटगांव, सिलहट और नेपाल के काठमांडू में 41 मैचों का आयोजन होगा। 16 टीमों को 4-4 के ग्रुप में

भारत-पाकिस्तान एक ग्रुप में नहीं

बांटा गया है। ग्रुप स्टेज 26 जनवरी तक चलेगा। टॉप परफॉर्म करने वाली टीमों में फिर सुपर सिक्स स्टेज में आगे बढ़ेंगी, जहां टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर सुपर सिक्स ग्रुप से टॉप दो टीमों सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत को ग्रुप ए में आयरलैंड, वेस्टइंडीज और मेजबान नेपाल के साथ रखा गया है। डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम 22 जनवरी को काठमांडू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। नेपाल उसी दिन आयरलैंड के खिलाफ अपने कैपेन की शुरुआत करेगा, जिससे ग्रुप की चार टीमों के लिए एक जरूरी ओपनिंग राउंड होगा। ग्रुप बी में साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और समोआ हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नाइजीरिया और यूनाइटेड अरब एमिरेट्स (यूएई) ग्रुप सी में हैं। इंग्लैंड, श्रीलंका, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका और स्कॉटलैंड को ग्रुप डी में रखा गया है।

वैभव अभी सीधे प्लेइंग-11 में नहीं आ सकते

हमारे सलामी बल्लेबाज लगातार अच्छा कर रहे: श्रेयस अय्यर



क्राइस्टचर्च ,एजेसी।

भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टी20 इंटरनेशनल टीम में अपने मौके का इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा कि वैभव अभी सीधे प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सकते, क्योंकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ओपनिंग जोड़ी के तौर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आईपीएल और अंडर-19 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद अब वैभव सूर्यवंशी सीनियर स्तर पर आ गए हैं। ऐसे में भारतीय टी20 टीम के सामने यह चुनने की चुनौती है कि अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग पर युवा वैभव सूर्यवंशी या अनुभवी संजू सैमसन में से किसे उतारा जाए। सूर्यवंशी ने अब तक आठ टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, और ये सभी विदेशी मैदानों पर हुए हैं। भारत ने घरेलू मैचों में अपने भरोसेमंद टॉप-3 खिलाड़ियों को ही मौका दिया है। अय्यर ने वैभव को लेकर कहा, 'यह जरूरी है कि वैभव सूर्यवंशी जैसा टेलेटेंड खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में हमेशा खुश रहे। वह अभी बहुत युवा हैं, उन्हें मौके मिलने में अभी कई साल हैं। ऐसा नहीं है कि वह अभी सीधे टीम में

आ सकते हैं, क्योंकि हमारे ओपनर्स लगातार अच्छा खेल रहे हैं और उन्होंने वर्ल्ड कप भी जीता है।' भारतीय टी20 कप्तान ने आगे कहा, 'मैं उनसे बस यही कहता रहता हूं कि तुम्हें मौका जरूर मिलेगा। अगर तुम अपनी तैयारियों और प्रॉसेस में लगातार अच्छा करते रहोगे, तो तुम्हें बस थोड़ा इंतजार करना होगा। हमारे पास दो बेहतरीन ओपनर्स हैं।' न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज के पहले मैच से पहले अय्यर ने कहा, 'वैभव के साथ हमारी यही बातचीत चल रही है।' हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई टी20 इंटरनेशनल सीरीज में भारत ने लगभग एक जैसी टीम के साथ ही सभी चार मैच खेले, जिसमें टॉप ऑर्डर में सैमसन, अभिषेक और ईशान किशन शामिल थे। इसका मतलब यह हुआ कि 15 साल के इस खिलाड़ी को सीरीज के सभी मैचों में बेंच पर ही बैठना पड़ा, और वह अभी तक अपने घरेलू मैदान पर कोई भी इंटरनेशनल मैच नहीं खेल पाए हैं। सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार लगभग चार साल के लंबे अंतराल के बाद भारतीय टी20 टीम में लौटे हैं। अय्यर का मानना ​​​​है कि भुवनेश्वर की वापसी से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम को मजबूती मिलेगी। यह सीरीज गुरुवार से क्राइस्टचर्च में शुरू हो रही है। अय्यर ने कहा, 'जैसा आपने कहा, भुवी के आने से टीम को काफी अनुभव मिला है। पहले हमारे पास इसकी कमी थी, खासकर आईपीएल के बाद हमारे पास कई नए गेंदबाज आ गए थे। अगर आप पिछले दो वर्षों में भुवी का करियर ग्राफ देखें, तो उन्होंने आईपीएल भी जीता है।

अनुभव और राकेशभाई ने 100 मीटर दौड़ में जीते ब्रॉन्ज मेडल



नागोया ,एजेसी। एशियन पैरा गेम्स 2026 में बुधवार को भारत के पैरा-एथलेटिक्स दल के लिए एक और शानदार दिन रहा। अनुभव चौधरी और राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ स्पर्धा के अपने-अपने फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीते। चौधरी ने टी35 कैटेगरी में 12.72 सेकंड का अपना अब तक का सबसे बेहतरीन समय (पर्सनल-बेस्ट) निकालते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, भट्ट ने टी37 इवेंट में 11.50 सेकंड के अपने पर्सनल-बेस्ट समय के साथ पोंडियम पर जगह बनाई। इन प्रदर्शनों के साथ, एशियन पैरा गेम्स में ट्रैक इवेंट्स में भारत के मेडलों की कुल संख्या 9 हो गई है, जिनमें गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। पुरुषों की 100 मीटर टी35 फाइनल में ईरान के अलीरेजा जारे ने 12.32 सेकंड के गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। इराक के इदरीस अल-जैदी ने 12.69 सेकंड का समय लेकर सिल्वर मेडल हासिल किया, जो उनका भी अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था।

इसके बाद चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। उत्तर प्रदेश के मेरठ के पास स्थित छुर गांव के इस एथलीट के लिए यह ब्रॉन्ज मेडल एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कम उम्र से ही निजी चुनौतियों का सामना करने वाले अनुभव ने कोच गौरव त्यागी के मार्गदर्शन में अपनी स्प्रिंगिंग (दौड़ने) की क्षमता को निखारा। इसके बाद वह दिल्ली आ गए, जहां अब वे राहुल पंवार की देखरेख में ट्रेनिंग ले रहे हैं। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करना, उनके खेल करियर की एक बड़ी उपलब्धि है। भट्ट ने भी पुरुषों की 100 मीटर टी37 फाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। सऊदी अरब के अली अलनाखली ने 11.31 सेकंड के 'गेम्स रिकॉर्ड' के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि इंडोनेशिया के सैटोयोगो पूणोंगो ने 11.35 सेकंड के सीजन-बेस्ट समय के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। भट्ट ने 11.50 सेकंड का समय निकालकर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने तीसरी बार जीता था विश्व कप

नई दिल्ली ,एजेसी। कई ऐसे खेल हैं, जिनमें भारत का दबदबा वैश्विक स्तर पर है। कबड्डी भी उन्हीं खेलों में से एक है। पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों में भारतीय टीमें मजबूत हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पूरी दुनिया के सामने खुद को श्रेष्ठ साबित करती रही हैं। 2016 में भी भारतीय पुरुष टीम ने कबड्डी विश्व कप जीतकर इस खेल में अपनी श्रेष्ठता साबित की थी। वर्ष 2016 में 22 अक्टूबर का दिन भारतीय खेलों और खासकर कबड्डी के लिए खास है। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने 22 अक्टूबर 2016 को कबड्डी का विश्व कप जीतकर इस खेल में अपना दबदबा बरकरार रखा था। 2016 कबड्डी विश्व कप का फाइनल भारत और ईरान के बीच खेला गया था। यह मुकाबला भारत में गुजरात राज्य के अहमदाबाद शहर के 'द एरेना बाय ट्रांसस्ट्रेडिया' में खेला गया था। कबड्डी में भारत की तरह ही ईरान की टीम भी मजबूत है, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दबदबा साबित करते हुए इस रोमांचक और यादगार मुकाबले को 38-29 से अपने नाम किया। भारत के अजय ठाकुर सर्वश्रेष्ठ रेडर चुने गए थे। यह पहला मौका नहीं था, जब

भारतीय पुरुष टीम ने कबड्डी का विश्व कप जीता था। भारतीय टीम अब तक खेले गए तीनों कबड्डी विश्व कप में विजेता रही है। तीनों पुरुष विश्व कपों का आयोजन भारत में हुआ है। पहला विश्व कप 2004 में मुंबई में, दूसरा विश्व कप 2007 में पनवेल में और तीसरा विश्व कप 2016 में अहमदाबाद में खेला गया था। तीनों ही मौकों पर भारतीय टीम ने ईरान को हराकर खिताब जीता था। भारतीय पुरुष टीम की तरह महिला टीम भी कबड्डी में ताकतवर है। अब तक दो महिला विश्व कप खेले गए हैं। 2012 में पहला विश्व कप पटना में और 2025 में चीनी ताइपे को हराकर विश्व कप जीता था। हाल ही में संपन्न एशियन गेम्स 2026 में भी भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने गोल्ड मेडल जीते थे।



संक्षिप्त समाचार

गो सेवा ही सबसे बड़ी सेवा:
वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। गो सेवा हमारी सनातन संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों का अभिन्न अंग है। गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी भी है। प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने विजयादशमी के पावन अवसर पर रायगढ़ में चक्रधर गौशाला ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित गौ चिकित्सालय का शुभारंभ करते हुए यह बात कही।

गो सेवा ही सबसे बड़ी सेवा: वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी: वित्त मंत्री श्री चौधरी ने गौ चिकित्सालय के शुभारंभ पर चक्रधर गौशाला ट्रस्ट के सभाभावी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गो सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। हमारी सनातन परंपरा में गौ माता को विशेष स्थान प्राप्त है। गौवंश की सेवा, संरक्षण और उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए किए जाने वाले ऐसे प्रयास समाज में सेवा, संवेदना और करुणा की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि चक्रधर गौशाला ट्रस्ट द्वारा स्थापित यह गौ चिकित्सालय गौवंश के उपचार और देखभाल की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इससे बीमार एवं जरूरतमंद गौवंश को विशेष सुविधा सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएं

विजयादशमी की शुभकामनाएं

चौक युवा स

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएं रायपुर : वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएंरायपुर : वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएं विजयादशमी के पावन अवसर पर प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ के नटवर स्कूल में स्टेशन चौक युवा समिति द्वारा आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में शामिल होकर अधर्म और बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि विजयादशमी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आज पूरा भारतवर्ष इस पर्व को घर-घर, गली-गली और मोहल्ले-मोहल्ले में उत्साह और उत्थ्लास के साथ मना रहा है। यह पर्व केवल बुराई पर अरुखाई की विजय का उत्सव नहीं, बल्कि हमारे जीवन में नैतिक मूल्यों, मर्यादा और सदाचार को अपनाने का संदेश भी देता है। श्री चौधरी ने कहा कि विजयादशमी हमें यह विश्वास दिलाती है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन और चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, अंततः विजय सत्य, धर्म और न्याय की ही होती है।

छत्तीसगढ़ की धरती पर पहली बार भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव और हर्ष का अवसर है कि नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला का आयोजन किया गया है। छत्तीसगढ़ की धरती पर पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट श्रृंखला का आयोजन प्रदेश के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच पहली द्विपक्षीय श्रृंखला की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना इस अवसर को और भी ऐतिहासिक बनाता है। मुख्यमंत्री श्री साय आज नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पहुंचे और भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के तीसरे मुकाबले का आनंद लिया। उन्होंने दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीमों के खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुंची रेल, बस्तर के विकास को मिली नई रफ्तार

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुंची रेल, बस्तर के विकास को मिली नई रफ्तार



इस ऐतिहासिक अवसर पर क्षेत्र के ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सांसद एवं विधायक ने ग्रामीणों के साथ रावघाट से अंतगढ़ तक रेल यात्रा भी की। यात्रियों को इस अवसर पर नि:शुल्क डेमो टिकट कार्ड प्रदान किए गए।

ग्रामीण बच्चों के सपनों को मिलेगी नई उड़ान: रावघाट तक रेल पहुंचने से अब दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों के लिए शहरों में जाकर पढ़ाई करना पहले की तुलना में आसान होगा। बेहतर आवागमन सुविधा मिलने से बच्चों को उच्च शिक्षा के अवसरों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही ग्रामीणों को इलाज के लिए बड़े अस्पतालों तक पहुंचने, जरूरी सामान खरीदने, रोजगार के अवसर तलाशने और व्यापारिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने में भी सुविधा होगी।

अब तक दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित परिवहन सुविधाओं के कारण क्षेत्र के लोगों को आवागमन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। रेल सेवा शुरू होने से समय और यात्रा खर्च में राहत मिलेगी। यह सुविधा विशेष रूप से विद्यार्थियों, मरीजों, श्रमिकों, किसानों और छोटे व्यापारियों के लिए लाभकारी साबित होगी।

1,628 करोड़ की परियोजना से बड़ेगा रेल नेटवर्क: दल्लौराजहरा-रावघाट के बीच लगभग २1,628 करोड़ की लागत से 95 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन परियोजना अंतर्गत ताड़ोकी से रावघाट के बीच 17.5 किलोमीटर रेलखंड का निर्माण पूरा हुआ है। इस रेल संपर्क से बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं का विस्तार होगा और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावनाएं मजबूत होंगी। रावघाट से रायपुर के लिए मेमो पैसेंजर ट्रेन संख्या 68769 का परिचालन प्रातः 6:30 बजे रावघाट से प्रस्तावित समय-सारणी के अनुसार होगा। इस ट्रेन का सामान्य किराया रायपुर तक २55 बताया गया है।

इससे क्षेत्र के यात्रियों को राजधानी रायपुर सहित मार्ग में आने वाले प्रमुख स्थानों तक पहुंचने का सुलभ विकल्प मिलेगा।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा बस्तर: बस्तर अंचल में रेल सेवा का विस्तार क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सांसद श्री भोजराज नाग ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि बस्तरवासी आजादी के बाद से रेल सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे थे। दुर्गम क्षेत्र में रेल लाइन का विस्तार करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निरंतर प्रयासों से यह सपना साकार होने की दिशा में आगे बढ़ा है। नक्सलवाद के समाप्ति एवं क्षेत्र में विकास के वातावरण के बीच ऐसी आधारभूत सुविधाओं का विस्तार बस्तर के लिए नई संभावनाएं खोल रहा है। रेल संपर्क से स्थानीय लोगों का देश के अन्य हिस्सों से जुड़ाव बढ़ेगा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के नए रास्ते खुलेंगे। रावघाट तक रेल पहुंचना इस बात का प्रतीक है कि बस्तर का दूरस्थ अंचल भी अब विकास की नई यात्रा में आगे बढ़ रहा है।

धमतरी में इस बार एकलव्य खेल परिसर में होगा रावण दहन

मीडिया ऑडीटर, धमतरी (निप्र)। धमतरी शहर में इस वर्ष आज शाम दशहरा पर्व पर रावण दहन का आयोजन डॉ. शोभाराम देवांगन शासकीय विद्यालय के एकलव्य खेल परिसर में किया गया है। महापौर श्री रामू रोहरा एवं संबंधित समितियों के निर्णय के अनुसार आयोजन स्थल में यह बदलाव किया गया है। इसका उद्देश्य नागरिकों को अधिक सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराने के साथ आयोजन को व्यवस्थित और सुगम बनाना है। एकलव्य खेल परिसर में रावण दहन होने से शहरवासियों को उत्सव में शामिल होने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। खुले परिसर में आयोजन से दर्शकों की सुविधा, भीड़ प्रबंधन और कार्यक्रम के सुचारु संचालन में मदद मिलने की उम्मीद है। यातायात व्यवस्था की दृष्टि से भी आयोजन स्थल का चयन महत्वपूर्ण है। दशहरा उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात का सुचारु संचालन, वाहनों की पार्किंग तथा पैदल आने-जाने वाले लोगों की सुविधा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक होगा। व्यवस्थित यातायात प्रबंधन से अनावश्यक जाम की स्थिति को कम करने और नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। नागरिकों से भी अपेक्षा है कि वे यातायात नियमों का पालन करें तथा संबंधित प्रशासन और यातायात कर्मियों के निर्देशों का सहयोगपूर्वक पालन करें।

खैरागढ़ में आकार ले रहा नया सर्किट हाउस, 3.04 करोड़ रुपए से बढ़ेगी आतिथ्य सुविधाएं

मीडिया ऑडीटर, खैरागढ़ (निप्र)। जिला मुख्यालय खैरागढ़ में नवीन सर्किट हाउस का निर्माण प्रशासनिक अधोसंरचना और शासकीय आतिथ्य सुविधाओं के हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि विजयादशमी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आज पूरा भारतवर्ष इस पर्व को घर-घर, गली-गली और मोहल्ले-मोहल्ले में उत्साह और उत्थ्लास के साथ मना रहा है। यह पर्व केवल बुराई पर अरुखाई की विजय का उत्सव नहीं, बल्कि हमारे जीवन में नैतिक मूल्यों, मर्यादा और सदाचार को अपनाने का संदेश भी देता है। श्री चौधरी ने कहा कि विजयादशमी हमें यह विश्वास दिलाती है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन और चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, अंततः विजय सत्य, धर्म और न्याय की ही होती है।

छत्तीसगढ़ की धरती पर पहली बार भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव और हर्ष का अवसर है कि नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला का आयोजन किया गया है। छत्तीसगढ़ की धरती पर पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट श्रृंखला का आयोजन प्रदेश के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच पहली द्विपक्षीय श्रृंखला की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना इस अवसर को और भी ऐतिहासिक बनाता है। मुख्यमंत्री श्री साय आज नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पहुंचे और भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के तीसरे मुकाबले का आनंद लिया। उन्होंने दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीमों के खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।



व्यवस्थाओं का आवश्यक हिस्सा होती है। नवीन सर्किट हाउस तैयार होने से खैरागढ़ में शासकीय प्रवास पर आने वाले अतिथियों और अधिकारियों के लिए उपलब्ध आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा। इससे प्रवास संबंधी व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने में सहायता मिलेगी। सर्किट हाउस निर्माण के लिए 8 सितंबर 2025 को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई

थी। निर्माण एजेंसी जैन कंस्ट्रक्शन, बालोद को 24 जून 2026 को कार्यदिश जारी किया गया। अनुबंध के अनुसार निर्माण पूर्ण करने के लिए नौ माह की अवधि निर्धारित है। कार्य पूर्ण करने की निर्धारित तिथि 24 मार्च 2027 है। भवन की नींव का कार्य पूरा होने के बाद प्लिथ निर्माण की प्रगति परीक्षणों को आगे ले जा रही है। नींव और प्लिथ भवन की संरचना के महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इन चरणों के बाद आगे का निर्माण बढ़ने के साथ नवीन सर्किट हाउस का स्वरूप स्पष्ट होगा। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला मुख्यालय में प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं का विकास स्थानीय व्यवस्थाओं को मजबूत करने में सहायक है।

अवेली में नल से जल ने आसान बनाई जिंदगी, 311 परिवारों को मिली राहत

मीडिया ऑडीटर, खैरागढ़ (निप्र)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम अवेली में विकसित पेयजल व्यवस्था ग्रामीण परिवारों के जीवन में सुविधा लेकर आई है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के खैरागढ़ विकासखंड स्थित इस गांव में 80 किलोलीटर क्षमता वाले जलागार और पाइपलाइन के माध्यम से 311 घरों तक नल से जल पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। घर पर पानी उपलब्ध होने से दैनिक जरूरतों के लिए पानी जुटाना आसान हुआ है।पेयजल की सुविधा का सीधा संबंध परिवार की दिनचर्या से है। खाना बनाने, बर्तन एवं कपड़े धोने और साफ-सफाई जैसे कार्यों के लिए पानी आवश्यक होता है। ग्राम अवेली में घरेलू पेयजल व्यवस्था के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की पहल ने इन जरूरतों को पूरा करने में मदद की है। विशेष रूप से महिलाओं को पानी लाने में लगने वाले समय और श्रम से राहत मिली है। बचने



वाले समय का उपयोग वे परिवार की देखभाल और अन्य उपयोगी कार्यों में कर सकते हैं।योजना के अंतर्गत निर्मित 80 किलोलीटर क्षमता का जलागार गांव की पेयजल व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बना है। जल भंडारण एवं पाइपलाइन से घरों तक आपूर्ति की सुविधा ने ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। घर में पानी की उपलब्धता से व्यक्तिगत स्वच्छता और घरेलू साफ-सफाई बनाए

रखने में भी सहूलियत होती है।जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक पर्याप्त एवं निर्धारित गुणवत्ता का पेयजल पहुंचाना है। ग्राम अवेली में विकसित यह व्यवस्था इसी उद्देश्य को धरातल पर साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल बताती है कि बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सरल बनाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।पेयजल व्यवस्था का लाभ निरंतर मिलता रहे, इसके लिए जलागार एवं पाइपलाइन का नियमित रखरखाव, जल गुणवत्ता परीक्षण और पानी का वितेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। ग्रामीणों की सहभागिता तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूकता से इस सुविधा को लंबे समय तक सुचारु बनाए रखा जा सकता है। ग्राम अवेली में 311 घरों तक नल से जल की पहुँच सुविधा, स्वच्छता और बेहतर जीवन की दिशा में एक सार्थक उपलब्धि है।

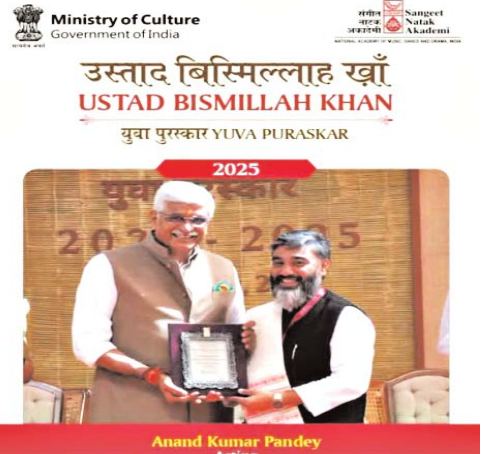
छत्तीसगढ़ की कला प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय मंच पर लहराया परचम, केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जशपुर के डॉ. आनन्द पाण्डेय और सारंगढ़ के श्री घनश्याम साहू को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की कला प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय मंच पर लहराया परचम, जशपुर के डॉ. आनन्द पाण्डेय और सारंगढ़ के श्री घनश्याम साहू को प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कारछत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति और रंगमंचीय परंपरा के लिए यह अत्यंत गौरवशाली उपलब्धि है। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मेघदूत थिएटर परिसर, रविन्द भवन, नई दिल्ली में 19 अक्टूबर 2026 को आयोजित समारोह में प्रदेश के दो प्रतिभाशाली कलाकार प्रसिद्ध रंगमंच में योगदान के लिए जशपुर के डॉ. आनन्द पाण्डेय एवं विशिष्ट नाट्य लेखन एवं छत्तीसगढ़ी फिल्मों में प्रभावशाली पटकथा लेखन के लिए सारंगढ़ के श्री घनश्याम साहू को संगीत नाटक अकादमी के प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि सुदूर आदिवासी अंचल जशपुर में रंगमंच की अलख जगाने वाले डॉ. आनन्द पाण्डेय को उत्कृष्ट अभिनय तथा सारंगढ़ के श्री घनश्याम साहू को विशिष्ट नाट्य लेखन एवं छत्तीसगढ़ी फिल्मों में प्रभावशाली पटकथा लेखन के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। दोनों कलाकारों की इस उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ की रचनात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक समृद्धि और नाट्य परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। छत्तीसगढ़ के वनांचलों और छोटे कस्बों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले इन कलाकारों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा और सृजनशीलता किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। कला के प्रति समर्पण, निरंतर साधना और रचनात्मक प्रतिबद्धता के बल पर प्रदेश के कलाकार राष्ट्रीय सांस्कृतिक परिदृश्य में अपनी



प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं।

जशपुर के डॉ. आनन्द पाण्डेय ने रंगमंच को दी नई पहचान: छत्तीसगढ़ के सुदूर आदिवासी अंचल जशपुर में रंगमंच की परंपरा को आगे बढ़ाने और अभिनय के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले डॉ. आनन्द पाण्डेय को उत्कृष्ट अभिनय के लिए प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी यह उपलब्धि जशपुर सहित पूरे सरगुजा अंचल और छत्तीसगढ़ के रंगमंच से जुड़े कलाकारों के लिए प्रेरणादायी है। डॉ. पाण्डेय की कला साधना इस बात का उदाहरण है कि सीमित संसाधनों



और दूरस्थ क्षेत्रों में रहकर भी प्रतिभा, परिश्रम और समर्पण के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई जा सकती है। उनका सम्मान छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों में विद्यमान रचनात्मक संभावनाओं और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को नई प्रेरणा प्रदान करने वाला है।

सारंगढ़ के श्री घनश्याम साहू ने नाट्य लेखन और छत्तीसगढ़ी सिनेमा को दिलाया गौरव: सारंगढ़ के प्रतिभाशाली लेखक श्री घनश्याम साहू को उनके विशिष्ट नाट्य लेखन और छत्तीसगढ़ी फिल्मों में उत्कृष्ट पटकथा लेखन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश की साहित्यिक, नाट्य और सिनेमाई

रचनात्मकता के लिए महत्वपूर्ण है। नाट्य लेखन और पटकथा लेखन किसी भी रंगमंचीय प्रस्तुति अथवा फिल्म की आत्मा होते हैं। प्रभावशाली कथानक, संवेदनशील संवाद और सामाजिक जीवन से जुड़े विषयों को रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करने में लेखकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। श्री साहू को मिला यह सम्मान छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और सिनेमा के क्षेत्र में कार्यरत रचनाकारों के लिए उत्साहवर्धक है।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा बना राष्ट्रीय सम्मान: संगीत नाटक अकादमी का उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार भारतीय प्रदर्शन कलाओं के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वाला प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान है। छत्तीसगढ़ के दो कलाकारों को यह सम्मान प्राप्त होना प्रदेश की जीवंत नाट्य परंपरा और रचनात्मक क्षमता का परिचायक है। लोककला, लोकनाट्य, संगीत, नृत्य, साहित्य और रंगमंच की समृद्ध विरासत वाला छत्तीसगढ़ अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता है। यहां की लोक परंपराएं, जनजीवन, बोलियां और सामाजिक संवेदनाएं कलाकारों को सुजन की व्यापक संभावनाएं प्रदान करती हैं। ऐसे में प्रदेश के कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली पहचान नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ें से जुड़कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने दी हार्दिक बधाई: प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने डॉ. आनन्द पाण्डेय और श्री घनश्याम साहू को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री श्री अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा ।